हिन्दी दैनिक

लखनऊ जंक्शन

RNI NO.-UPHIN/2015/64743 Email-lkojunction@gmail.com

वर्ष: 11 अंक: 133 लखनऊ, शनिवार 03 जनवरी 2026 पृष्ठ: 04 मूल्य: 01 रूपये

राजस्व के सभी मामलों का मेरिट के आधार पर हो निस्तारण: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

शुक्रवार को राजस्व विभाग की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री जी ने दिए महत्वपूर्ण निर्देश

प्रदेश के सभी जनपदों में रोवर आधारित पैमाइश की जल्द लागू हो व्यवस्था

मुख्यमंत्री जी ने युध्द स्तर पर और मिशन मोड में कार्यों को पूर्ण करने के दिये निर्देश

लखनऊ ब्यूरो

लखनऊ। राजस्व विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए शुक्रवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राज्य में राजस्व के सभी मामले, चाहे वह पैमाईश से संबंधित हो, नामांतरण से संबंधित हो या फिर आबादी दर्ज करने से संबंधित हो, सभी का निपटारा मेरिट के आधार पर तय होना चाहिए। उन्होंने कहा कि राजस्व विभाग सभी लंबित मामलों में जवाबदेही तय करते हुए इनका निर्धारित समायवधि में निस्तारण सुनिश्चित करे। साथ ही, प्रदेश के सभी जनपदों में रोवर आधारित पैमाइश प्रणाली को लागू करने के लिए निर्देश दिए।

तकनीकी रूप से पारदर्शी व्यवस्था हो सुनिश्चित

मुख्यमंत्री जी ने नामांतरण व वरासत के मामलों को लेकर निर्देश दिये कि ऐसी प्रणाली विकसित की जाए जिससे यह कार्य ऑटो मोड पर हो सके। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि यह नागरिकों को सुगम और समयबद्ध न्याय दिलाने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होगा। इससे अतिरिक्त, चकबंदी प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने, नक्शा और रोवर आधारित पैमाइश प्रणाली को लागू करने के प्रयासों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उनके अनुसार, प्रदेश के सभी जिलों में रोवर से पैमाइश के लिए रोवर की खरीद ही नहीं बल्कि ट्रेनिंग कराने तथा प्रक्रिया को धरातल पर उतारने के लिए फ्रेमवर्क को तैयार किया जाए। जनपदों में रोवर आधारित पैमाइश को पूर्ण करने के लिए ट्रेनिंग हेतु इंजीनियरिंग कॉलेज, पॉलिटेनिक एवं आईटीआई का सहयोग भी लिया जा सकता है।

कार्यों की प्रगति में लाएं तेजी, उन्हें शत प्रतिशत समय से पूरा करने पर करें फोकस

मुख्यमंत्री जी ने समीक्षा बैठक में राजस्व विभाग को निर्देश दिये कि सभी कार्यों की प्रगति में तेजी लाते हुए उन्हें शत प्रतिशत पूर्ण करने पर फोकस करें। मुख्यमंत्री जी ने निर्देशित किया कि भू–अभिलेखों के

डिजिटलीकरण कार्य में तेजी लाते हुए इन्हें शीघ्र पूर्ण किया जाए। विभागीय निगरानी सरल हो और इसका लाभ आमजन को मिले। धारा 80 के अन्तर्गत भू–उपयोग परिवर्तन प्रक्रिया को सरल व पारदर्शी बनाया जाए। उन्होंने कहा कि लोगों की समस्याओं के निस्तारण के लिए राजस्व परिषद के स्तर पर कॉल सेंटर जैसी प्रणाली की जाए विकसित।

तकनीकी रूप से पारदर्शी व्यवस्था हो सुनिश्चित

मुख्यमन्त्री जी ने चकबंदी प्रक्रिया में तकनीकी के प्रयोग और यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसान रजिस्ट्री, पैमाइश और खसरा पड़ताल से जुड़े सभी लम्बित प्रकरणों का समाधान तय समय सीमा में अनिवार्य रूप से किया जाय। उन्होंने आय प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र तथा निवास प्रमाण पत्र जैसी शासकीय सेवाओं सेवा को और अधिक प्रभावी और पारदर्शी बनाए जाने के निर्देश दिए। इसके साथ ही, प्रदेश में शीतलहर को देखते हुए रैन बसेरों में व्यवस्थाओं का सुचारू प्रबंधन, सार्वजनिक स्थलों पर अलाव जलाने की व्यवस्था तथा कंबल वितरण को लेकर राजस्व विभाग को कार्यप्रणाली में तेजी लाने का निर्देश दिया। उन्होंने यह भी कहा कि सभी कार्यों को मिशन मोड में युद्धस्तर पर पूरा किया जाए। मुख्यमंत्री जी ने ग्राम पंचायतों में लगी बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर की मूर्तियों/स्मारकों को सुरक्षित करने के लिए समाज कल्याण विभाग के सहयोग से बाउंड्री वॉल के निर्माण कार्य को भी आगे बढ़ाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री जी ने लेखपालों को पंचायत भवनों में अपना कार्यालय बनाकर जनसमस्याओं के निस्तारण करने के निर्देश दिये। मुख्यमंत्री जी ने जनपद स्तर पर एकीकृत बहुमंजली कार्यालय का निर्माण हो, जहां जिलाधिकारी के साथ साथ समस्त जनपदीय कार्यालय उसमें समाहित हों।

दिल्ली हवाई अड्डे पर करीब 21 करोड़ रुपये की कोकीन जब्त, पुलिस ने दो को किया गिरफ्तार

एजेंसी

नयी दिल्ली। सीमा शुल्क विभाग (कस्टम) ने दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) हवाई अड्डे पर दो यात्रियों के पास से लगभग 21 करोड़ रुपये मूल्य की कोकीन जब्त की, जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार आरोपियों को 31 दिसंबर को बैंकॉक (थाईलैंड) से आने के बाद रोका गया। उन्होंने बताया कि गुजरात के रहने वाले दोनों आरोपी अलग–अलग उड़ानों से दिल्ली पहुंचे थे। सीमा शुल्क विभाग ने 'एक्स पर एक पोस्ट में बताया, "काले रंग के दो ट्रॉली बैग की जांच के दौरान अधिकारियों को

उनके भीतर छिपाकर रखे गए पॉलीथीन बैग मिले, जिनमें सफेद रंग का पदार्थ बरामद हुआ, जिसके नशीला पदार्थ होने का संदेह था।" विभाग ने बताया कि जब्त किए गए पदार्थ का कुल वजन 2,095.5 ग्राम है और प्रारंभिक जांच में इसके कोकीन होने के संकेत मिले हैं। विभाग के मुताबिक, बरामद नशीले पदार्थ की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत लगभग 20.95 करोड़ रुपये बताई गई है। उसने बताया कि दोनों यात्रियों को गिरफ्तार कर लिया गया है और मामले की जांच की जा रही है।

आवारा कुत्तों का मुद्दा, सरकार ने 'आप पर लगाया गलत सूचना फैलाने का आरोप, दर्ज करवाई एफआईआर

एजेंसी, नयी दिल्ली। पुलिस ने शिक्षा निदेशालय की उस शिकायत पर शुक्रवार को प्राथमिकी दर्ज की, जिसमें आवारा कुत्तों से संबंधित मामलों के लिए नोडल अधिकारियों की नियुक्ति के संबंध में एक परिपत्र को लेकर सोशल मीडिया पर गलत सूचना फैलाने का आरोप लगाया गया था। दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने कहा कि सरकार ने आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल द्वारा इस मुद्दे पर फैलाई जा रही गलत सूचनाओं के खिलाफ कार्रवाई करने का फैसला किया है। इसके बाद शिक्षा निदेशालय ने मामले में कानूनी कार्रवाई की मांग करते हुए पुलिस में औपचारिक शिकायत दर्ज कराई। इस संबंध में बीएनएस की धारा 353 (1) (किसी भी बयान, झूठी सूचना, अफवाह या रिपोर्ट को बनाना, प्रकाशित करना या प्रसारित करना, जिसमें इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से भी शामिल है) और 192 (दंगा भड़काने के इरादे से जानबूझकर उकसाना, यदि दंगा किया जाता है) के तहत प्रथमिकी दर्ज की गई है।

बेंगलुरु आतंकी साजिश केस, एनआईए ने मनोचिकित्सक समेत तीन के खिलाफ दाखिल की चार्जशीट

दिल्ली ब्यूरो

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने बेंगलुरु में 2023 के एक मामले में पाकिस्तान स्थित आतंकवादी संगठन लश्कर–ए–तैयबा से जुड़े तीन आरोपियों सहित एक मनोचिकित्सक के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, बृहस्पतिवार को बेंगलुरु की एक अदालत में दाखिल दूसरे सहायक आरोप पत्र में एनआईए ने अनीस फातिमा, चान पासा ए. और नागराज एस को भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), अवैध गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम, विस्फोटक पदार्थ अधिनियम, भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम और कर्नाटक जेल अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत नामित किया है।मामले में जांच कर रही स्थानीय पुलिस से लेकर यह मामला अक्टूबर 2023 में एनआईए को सौंपा गया था। एनआईए ने फरार जुनैद अहमद समेत नौ आरोपियों के खिलाफ इससे पूर्व आरोप पत्र दाखिल किए गए थे। अधिकारियों के एक बयान के अनुसार, यह मामला मूल रूप से बेंगलुरु सिटी पुलिस ने जुलाई 2023 में दर्ज किया था। यह उन आदतन

अपराधियों से हथियार, गोला–बारूद और डिजिटल उपकरण बरामद होने से जुड़ा था जिन्होंने बेंगलुरु में आतंक फैलाने की साजिश रची थी तथा उनका इरादा भारत की संप्रभुता एवं सुरक्षा को नुकसान पहुंचाना था। बयान में कहा गया कि ये गतिविधियां लश्कर–ए–तैयबा के हितों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की गई थीं और यह एक बड़ी साजिश का हिस्सा थीं जिसका मकसद टी. नसीर के जेल से अदालत जाते समय भागने में सहायता करना था। नसीर उस समय 2008 के बेंगलुरु सिलसिलेवार बम धमाका मामलों में एक विचाराधीन केदी था। एनआईए द्वारा जारी बयान में कहा गया है कि आरोप पत्र में नामित तीन आरोपियों में से एक अनीस फातिमा की पहचान जुनैद अहमद की मां के रूप में हुई है।

उत्तर प्रदेश बन रहा है देश का उभरता दूरसंचार पावरहाउस

मोबाइल कनेक्टिविटी में उत्तर प्रदेश पूर्व और पश्चिम बने उपभोक्ता गतिविधि के प्रमुख केंद्र

नवंबर 2025 में यूपी पूर्व में 1.97 मिलियन और उत्तर प्रदेश पश्चिम में 1.35 मिलियन पोर्टिंग अनुरोध दर्ज

लखनऊ ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में दूरसंचार क्षेत्र की तेजी से प्रगति हो रही है। प्रदेश में मोबाइल, ब्रॉडबैंड और फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस सेवाओं का विस्तार शहरी के साथ–साथ ग्रामीण इलाकों में मजबूती से हो रहा है। इस विस्तार का सबसे बड़ा कारण सरकारी नीतिगत समर्थन और निजी निवेश है, जिससे प्रदेश में औद्योगिक और वाणिज्यिक क्षेत्र का त्वरित गति से दायरा बढ़ता जा रहा है। इसी का परिणाम है कि देश के अग्रणी दूरसंचार बाजारों में उत्तर प्रदेश का नाम प्रमुखता से शामिल है। योगी सरकार के विकास मॉडल से प्रदेश के डिजिटल क्षेत्र को नया आयाम मिल रहा है। भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण के आंकड़ों के अनुसार नवंबर 2025 में देश भर में कुल वायरलेस मोबाइल उपभोक्ताओं की संख्या 1173.88 मिलियन रही। अक्टूबर 2025 में यह संख्या 1171.87 मिलियन था। इसमें उत्तर प्रदेश पूर्व और उत्तर प्रदेश पश्चिम दोनों लाइसेंस्ड सेवा क्षेत्रों की भागीदारी विशेष रही है। उपभोक्ता गतिविधि के लिहाज से उत्तर प्रदेश देश में अग्रणी बना हुआ है। नवंबर 2025 तक उत्तर प्रदेश पूर्व में 1.97 मिलियन और उत्तर प्रदेश पश्चिम में 1.35 मिलियन पोर्टिंग अनुरोध दर्ज किए गए हैं। यह आंकड़े यह दर्शाते हैं कि प्रदेश में मोबाइल सेवाओं की मांग अधिक है। फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस विशेष कर 5–जी आधारित सेवाओं में उत्तर प्रदेश की स्थिति लगातार मजबूत हो रही है। नवंबर 2025 के अंत तक देश में कुल 5–जी एफडब्ल्यूए उपभोक्ताओं की संख्या 10.41 मिलियन दर्ज की गई है। इसमें उत्तर प्रदेश पूर्व में 0.79 मिलियन और उत्तर प्रदेश पश्चिम में 0.62 मिलियन उपभोक्ता शामिल हैं। केवल एक महीने के भीतर इन दोनों क्षेत्रों में हजारों नए उपभोक्ताओं का जुड़ना यह संकेत देता है कि सरकार की डिजिटल कनेक्टिविटी नीति का लाभ आम नागरिकों तक

पहुंच रहा है। दूर–दराज के गांवों में भी हाई स्पीड इंटरनेट की उपलब्धता शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के नए अवसर खोल रही है। वायरलाइन सेवाओं के क्षेत्र में भी उत्तर प्रदेश ने स्थिर वृद्धि दर्ज की है। नवंबर 2025 के अंत तक देश में कुल वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या 47.05 मिलियन रही। उत्तर प्रदेश में सरकारी कार्यालयों, शैक्षणिक संस्थानों, औद्योगिक इकाइयों और शहरी आवासीय क्षेत्रों में वायरलाइन कनेक्शन की मांग बनी हुई है। योगी सरकार द्वारा ई–गवर्नेंस सेवाओं को व्यापक रूप से लागू किए जाने से विश्वसनीय और सुरक्षित कनेक्टिविटी की आवश्यकता बढ़ी है जिससे वायरलाइन नेटवर्क को मजबूती मिली है। सक्रिय मोबाइल उपभोक्ताओं के मामले में भी प्रदेश की स्थिति सशक्त बनी हुई है। अक्टूबर की तुलना में नवंबर 2025 तक में देश भर में कुल मोबाइल उपभोक्ताओं में से 1090.91 मिलियन उपभोक्ता सक्रिय पाए गए। ऑनलाइन सरकारी सेवाएं, डिजिटल भुगतान, ई–शिक्षा और टेली मेडिसिन जैसे क्षेत्रों में मोबाइल नेटवर्क की भूमिका लगातार बढ़ रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर को आर्थिक विकास का प्रमुख माध्यम बनाया है। ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क का विस्तार, मोबाइल टावरों की संख्या में वृद्धि और 5–जी तकनीक को बढ़ावा देने से उत्तर प्रदेश में निवेश और रोजगार के नए अवसर सृजित हो रहे हैं।

जयशंकर बोले-दुर्भाग्य से हमारे पड़ोसी बुरे, हमें अपने लोगों को आतंकवाद से बचाने का अधिकार

एजेंसी

चेन्नई। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने शुक्रवार को तमिलनाडु के आईआईटी मद्रास में आयोजित कार्यक्रम के दौरान आतंकवाद, पड़ोसी देशों, वैश्विक कूटनीति और भारत की भूमिका को लेकर स्पष्ट और सख्त संदेश दिया। उन्होंने कहा कि भारत दुर्भाग्य से ऐसे पड़ोस में है, जहां कुछ देश जानबूझकर, लगातार और बिना किसी पछतावे के आतंकवाद को बढ़ावा देते रहे हैं। ऐसे में भारत को अपने नागरिकों की सुरक्षा का पूरा अधिकार है और वह इस अधिकार का उपयोग कैसे करेगा, यह भारत स्वयं तय करेगा। जयशंकर ने दो टूक कहा, "अगर कोई देश यह फैसला करता है कि वह आतंकवाद को अपनी नीति बनाए रखेगा, तो हमें अपने लोगों को उससे बचाने का अधिकार है। हम उस अधिकार का इस्तेमाल कैसे करेंगे, यह हम पर निर्भर करता है। कोई हमें यह नहीं बता सकता कि हमें क्या करना चाहिए या क्या नहीं करना चाहिए। अपनी रक्षा के लिए जो भी जरूरी होगा, हम करेंगे।विदेश मंत्री ने पड़ोसी देशों के साथ संबंधों पर कहा कि वर्षों पहले भारत ने पानी साझा करने जैसे संवेदनशील मुद्दों पर भी सहमति दिखाई थी, लेकिन अगर दशकों तक आतंकवाद जारी रहे तो अच्छे पड़ोसी होने की भावना टिक नहीं सकती। उन्होंने संकेत दिया कि पड़ोसियों के साथ रिश्ते केवल समझौतों से नहीं, बल्कि आपसी भरोसे और जिम्मेदार व्यवहार से चलते हैं।बांग्लादेश में हालिया अशांति के सवाल पर जयशंकर ने कहा कि वह हाल ही में बांग्लादेश गए थे, जहां उन्होंने भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए पूर्व प्रधानमंत्री बेगम खालिदा जिया के अंतिम संस्कार में हिस्सा लिया। उन्होंने कहा, "हमें कई तरह के पड़ोसी मिले हैं। अगर कोई पड़ोसी आपके लिए अच्छा है या कम से कम नुकसानदायक नहीं है, तो रिश्ते सहज रहते हैं। जहां भी अच्छे पड़ोसी होने की भावना होती है, भारत निवेश करता है, मदद करता है और साझेदारी निभाता है।जयशंकर ने कहा कि भारत दुनिया की उन प्राचीन सभ्यताओं में से है, जो आज भी एक आधुनिक राष्ट्र के रूप में जीवित हैं। भारत को अपने इतिहास, संस्कृति और विरासत का स्पष्ट बोध है, जो बहुत कम देशों में देखने को मिलता है। उन्होंने कहा कि भारत ने जानबूझकर लोकतांत्रिक व्यवस्था को अपनाया और इसी कारण लोकतंत्र एक वैश्विक राजनीतिक विचार के

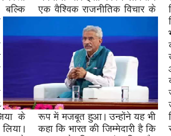

रूप में मजबूत हुआ। उन्होंने यह भी कहा कि भारत की जिम्मेदारी है कि वह अपने विचार, संस्कृति और इतिहास को दुनिया के सामने रखे। पश्चिमी देशों के साथ साझेदारी को जरूरी बताते हुए उन्होंने कहा कि यह सहयोग सकारात्मक और रचनात्मक तरीके से किया जा सकता है।विदेश मंत्री ने कहा कि 'वसुधैव कुटुंबकम' भारत की मूल सोच है, जिसका अर्थ है कि भारत ने दुनिया को कभी दुश्मन या खतरे के रूप में नहीं देखा। सीमित संसाधनों के बावजूद अधिक प्रभाव डालना ही भारत की विदेश नीति का मूल मंत्र है। भारतीय कूटनीति अपनी ताकत, प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता और वैश्विक संस्थानों के माध्यम से समाधान तलाशती है।कोविड–19 काल का जिक्र करते हुए जयशंकर ने कहा कि भारत की वैक्सीन डिप्लोमेसी का भावनात्मक असर बेहद गहरा रहा। कई देशों में जब पहली वैक्सीन खेप पहुंची तो लोगों की आंखों में आंसू थे। उन्होंने कहा कि उस समय कई विकसित देशों ने जरूरत से ज्यादा वैक्सीन जमा कर ली थी, जबकि छोटे और गरीब देशों के लिए भारत की मदद 'जीवनरेखा' साबित हुई।अरुणाचल प्रदेश को लेकर विदेश मंत्री ने स्पष्ट कहा कि यह भारत का हिस्सा है और हमेशा रहेगा। शंघाई एयरपोर्ट पर अरुणाचल प्रदेश की एक महिला को चीनी इमिग्रेशन अधिकारियों द्वारा परेशान किए जाने के मामले पर उन्होंने कड़ी आपत्ति जताई और कहा कि इस तरह की हरकतों से जमीनी सच्चाई नहीं बदलेगी।

हिमाचल प्रदेशः प्रोफेसर ने किया यौन उत्पीड़न तो छात्राओं ने की मरपीट, इलाज के दौरान पीड़िता की मौत, मामला दर्ज

एजेंसी

शिमला। हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला स्थित एक सरकारी कॉलेज की तीन छात्राओं के खिलाफ रैगिंग और मारपीट के आरोप में, जबकि एक प्रोफेसर के खिलाफ 19 वर्षीय छात्रा के यौन उत्पीड़न के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि पीड़ित छात्रा की पिछले साल 26 दिसंबर को लुधियाना के एक अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई थी, जिसके बाद बृहस्पतिवार को यह मामला दर्ज किया गया। उसने बताया कि यह कार्रवाई पीड़िता के पिता की

शिकायत पर की गई है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि 18 सितंबर, 2025 को तीन वरिष्ठ छात्राओं हर्षिता, आकृति और कोमोलिका ने उनकी बेटी के साथ मारपीट की थी। साथ ही, उन्होंने कॉलेज के प्रोफेसर अशोक कुमार पर छात्रा के साथ अश्लील हरकतें करने और यौन उत्पीड़न का आरोप भी लगाया है। पुलिस ने बताया कि पिता के अनुसार, इसी पिटाई और प्रताड़ना के कारण उनकी बेटी की हालत बिगड़ गई और उसे अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पिता ने कहा कि उनकी बेटी गहरे सदमे में थी, जिसके कारण पहले शिकायत दर्ज नहीं कराई जा सकी। पुलिस ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 75, 115(2) और हिमाचल प्रदेश शैक्षणिक संस्थान (रैगिंग निषेध) अधिनियम की धारा 3 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

बल्लारी में राजनीतिक झड़प के बाद बढ़ाई गई सुरक्षा : बैनर लगाने को लेकर दो गुटों में हुआ विवाद, एक की मौत

एजेंसी

बल्लारी। कर्नाटक के बल्लारी में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक जनार्दन रेड्डी और कांग्रेस विधायक भरत रेड्डी के समर्थकों के बीच बैनर लगाने को लेकर कथित तौर पर झड़प होने के एक दिन बाद शुक्रवार को क्षेत्र में सुरक्षा बढ़ा दी गई। पुलिस के अनुसार, इस घटना में बृहस्पतिवार को एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, ''स्थिति को नियंत्रण में कर लिया गया है और अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात कर दिए गए हैं। फिलहाल स्थिति शांतिपूर्ण है और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए सभी एहतियाती उपाय किए गए हैं।'' सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो में एक निजी सुरक्षाकर्मी कथित तौर पर हवा में गोली चलाते हुए दिख रहा है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, 'स्थिति पर नियंत्रण पा लिया गया है और अतिरिक्त सुरक्षा तैनात की गई है। वर्तमान में स्थिति शांत है और यह सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक एहतियाती कदम उठाए गए हैं कि कोई अप्रिय घटना न हो।''यह टकराव तीन जनवरी को बल्लारी में प्रस्तावित वाल्मीकि प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम से पहले हुआ। पुलिस के अनुसार भरत रेड्डी के समर्थक अवम्भावी क्षेत्र में जनार्दन रेड्डी के आवास के सामने बैनर लगाने का प्रयास कर रहे थे जिसका जनार्दन रेड्डी के समर्थकों ने विरोध किया। इसी के परिणामस्वरूप तीखी बहस हुई। शुरू में कहा–सुनी हुई जो जल्द हाथापाई में तब्दील हो गई और दोनों पक्षों के समर्थकों ने कथित तौर पर पथराव भी किया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए मौके पर पहुंचे पुलिसकर्मियों पर भी पत्थर फेंके गए। पुलिस ने बताया कि इस घटना में कई लोग घायल हुए हैं और उनकी संख्या और पहचान की पुष्टि की जा रही है।

संपादकीय

मेहनतकशों की बेकद्री

बाजार आने–जाने के झंझट से बचा लोगों के घरों में तुरत–फुरत जीवन उपयोगी सामान पहुंचाने वाले गिग–वर्कर्स की जटिल कार्यपरिस्थितियां और पसीने का मोल न मिलना, बेहद चिंता की बात है। अपना व परिवार का पोषण करने वाले ये युवा अकसर सरपट मोटरसाइकिल दौड़ाते और सीढ़ियां चढ़कर ऊंची मंजिलों में दरवाजों तक सामान पहुंचाते देखे जा सकते हैं। बेहद कम मेहनताने, कंपनी मालिकों के दबाव व ग्राहकों की उपेक्षा झेलते गिग वर्कर्स ने नये साल की पूर्व संध्या पर हड़ताल करके अपनी बदहाली को ही उजागर किया है। संवेदनशील कार्य परिस्थितियों और नौकरी की असुरक्षा के चलते गिग–वर्कर्स हड़ताल पर थे। हालांकि, नये साल पर काम के दबाव व पूरी तरह संगठित न होने के कारण इनकी हड़ताल का कुछ ही इलाकों में असर देखा गया। पूरे देश में सामान की आपूर्ति बाधित हुई हो, ऐसा भी कोई समाचार नहीं मिला है। लेकिन गिग–वर्कर्स की विषम कार्य–परिस्थितियों की ओर पूरे देश का ध्यान जरूर गया है। पिछले दिनों आप के राघव चड्ढा और राजद के मनोज कुमार झा जैसे सांसदों ने गिग वर्कर्स के शोषण का मुद्दा संसद में उठाया था। निस्संदेह, देश की गिग अर्थव्यवस्था ने रोजगार सृजन में अपनी क्षमता साबित की है। विडंबना है कि भारत युवाओं को देश का कहा जाता है, लेकिन हम उनकी आकांक्षाओं का रोजगार नहीं दे पा रहे हैं। दरअसल, गिग–वर्कर्स की प्रमुख मांग है कि उनके काम का बेहतर भुगतान हो और उनके लिये बेहतर कामकाजी परिस्थितियां बनायी जाएं। उनकी इस हड़ताल ने इन मुद्दों पर देश का ध्यान खींचा है। लेकिन देश के प्रमुख खाद्य वितरण करने वाली कंपनी ने 31 दिसंबर को इस हड़ताल के बावजूद ऑर्डर में रिकॉर्ड वृद्धि दर्ज की। वहीं थके–हारे बाइकर्स अपनी अनगिनत शिकायतें व्यक्त करते रहे। दरअसल, विडंबना यह है कि खूब काम लेने के बावजूद गिग–वर्कर्स को पारंपरिक नियोक्ता–कर्मचारी के दायरे से बाहर आजीविका कमाने वाले व्यक्तियों के रूप में परिभाषित किया जाता है। दरअसल, गिग–वर्कर्स को नई अर्थव्यवस्था में नियोक्ता एक कर्मचारी के रूप में नियुक्त करने के दायित्व से बचने का प्रयास करते हैं। लेकिन नियोक्ताओं की हायर व फायर की रणनीति के चलते, वे असुरक्षित कार्य परिस्थितियों में काम करने को बाध्य होते हैं। इसके बावजूद वे आज शहरी जीवन व्यवस्था के लिये अभिन्न अंग बन गए हैं। लोगों की छोटी–छोटी जरूरतों के लिए दौड़ते रहते हैं। वे सामान दस मिनट तक दरवाजे पर पहुंचाने के दबाव में हांफते–भागते, मोटरसाइकिल दौड़ाते और सीढ़ियों पर सामान चढ़ाते अकसर नजर आते हैं। आम तौर पर उपभोक्ताओं का व्यवहार भी अच्छा नहीं होता। देरी होने पर इन्हें झिड़का जाता है। सामान में नुक्स निकालकर इन्हें दौड़ाया जाता है। आज भारत में इनकी संख्या सवा करोड़ से अधिक है। अनुमान है कि वर्ष 2030 तक इन कामगारों की संख्या दो करोड़ पैंतीस लाख तक हो सकती है। निश्चित रूप से आने वाले वर्षों में इस क्षेत्र की अनदेखी नहीं की जा सकती। लेकिन फिलहाल स्थिति यह है कि मेहनताने में कटौती, जरा सी चूक पर आर्थिक दंड तथा समय से पहले पहुंचाने के दबाव से गिग–वर्कर्स त्रस्त हैं। मुश्किल परिस्थितियों में काम करते रहने के बावजूद ये कामगार हड़ताल में बड़ी संख्या में भाग नहीं ले पाये। दरअसल, प्लेटफॉर्म अकसर प्रोत्साहन और अतिरिक्त वेतन के जरिये श्रमिकों के विरोध प्रदर्शन को दबा देते हैं। निश्चित रूप से गिग–वर्कर्स का लगातार 14 घंटे काम करने के बावजूद सात–आठ सौ रुपये कमाना और दुर्घटना बीमा से वंचित रखना, इस व्यवस्था की उन खामियों की ओर भी इशारा करता है, जिन्हें केवल फौरी लालच या प्रोत्साहन से ठीक नहीं किया जा सकता। ऐसे में हालिया श्रम सुधारों का महत्व बढ़ जता है। जिसमें पहली बार, गिग और प्लेटफॉर्म श्रमिकों को कानून के तरह औपचारिक रूप से परिभाषित किया गया है। एग्रीगेटर के टर्नओवर का एक से दो फीसदी सामाजिक सुरक्षा कोष में अनिवार्य योगदान और आधार से जुड़े सार्वभौमिक खाता नंबर को कानूनी मान्यता की दिशा में एक लंबे समय से प्रतीक्षित बदलाव का संकेत देते हैं। हालांकि, कार्यान्वयन ही यह निर्धारित करेगा कि ये सुधार परिवर्तनकारी साबित होते हैं या केवल प्रतीकात्मक रहते हैं।

धर्म का स्वरूप : सेवा या स्वार्थ?

—डॉ प्रियंका सौरभ

भारत को सदियों से धर्म, आस्था और आध्यात्म की भूमि माना जाता रहा है। यहाँ धर्म केवल पूजा–पाठ या कर्मकांड तक सीमित नहीं रहा, बल्कि जीवन के हर पक्ष को दिशा देने वाला तत्व रहा है। आस्था ने व्यक्ति को कठिन परिस्थितियों में संबल दिया, उसे नैतिकता और मानवता से जोड़े रखा। किंतु बदलते समय के साथ यह देखा जा रहा है कि आस्था का स्वरूप धीरे–धीरे विकृत होता जा रहा है। धर्म, जो आत्मिक शांति का माध्यम था, कई स्थानों पर भय, अंधविश्वास और व्यापार का साधन बनता जा रहा है। आज का यथार्थ यह है कि धार्मिक परंपराओं का एक बड़ा हिस्सा अपने मूल उद्देश्य से भटक चुका है। जिन कर्मकांडों का उद्देश्य मनुष्य को आत्मिक संतुलन देना था, वे अब आर्थिक लेन–देन और दिखावे से जुड़ गए हैं। तीर्थस्थल, जो कभी तप, त्याग और साधना के केंद्र हुआ करते थे, आज कई बार बाजार का रूप धारण कर चुके हैं। श्रद्धालु की भावना से अधिक उसकी आर्थिक स्थिति को महत्व दिया जाने लगा है। आस्था का मूल आधार विश्वास हैकृईश्वर में, जीवन में और स्वयं में। यह विश्वास किसी डर या लालच से नहीं, बल्कि आंतरिक संतोष से उपजता है। जब आस्था भय पर आधारित हो जाती है, तब वह पाखंड में बदल जाती है। दुर्भाग्यवश, आज अनेक धार्मिक गतिविधियाँ इसी भय को केंद्र में रखकर संचालित की जा रही हैं। लोगों को यह विश्वास दिलाया जाता है कि यदि उन्होंने किसी विशेष परंपरा का पालन नहीं किया या तय राशि का दान नहीं दिया, तो अनिष्ट हो जाएगा। इस प्रकार धर्म, जो आश्वासन देने वाला था, भय पैदा करने वाला बनता जा रहा है। परंपराएँ किसी भी समाज की पहचान होती हैं। वे पीढ़ी–दर–पीढ़ी अनुभव और ज्ञान के माध्यम से विकसित होती हैं। लेकिन परंपराएँ तब तक ही उपयोगी हैं, जब तक वे समय, विवेक और मानवता के अनुरूप हों। परंपराओं को पत्थर की लकीर मान लेना समाज के विकास में बाधा बनता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम परंपराओं की समीक्षा करेंकृयह समझें कि उनका उद्देश्य क्या है और वे वर्तमान समय में कितनी प्रासंगिक हैं। धर्म का एक महत्वपूर्ण पक्ष सेवा रहा है। सेवा का अर्थ हैकृनिस्वार्थ भाव से दूसरों की सहायता करना। किंतु जब सेवा के बदले मूल्य तय कर दिया जाए, तब उसका स्वरूप बदल जाता है। दान तभी दान कहलाता है जब वह स्वेच्छा से दिया जाए। जब दान दबाव, भय या सामाजिक प्रतिष्ठा के कारण दिया जाता है, तब वह अपनी पवित्रता खो देता है। दुर्भाग्य से, आज दान भी कई जगह अनिवार्य शुल्क की तरह वसूला जाने लगा है। इस स्थिति का सबसे अधिक प्रभाव साधारण और भावनात्मक लोगों पर पड़ता है। दुख, शोक या संकट की घड़ी में व्यक्ति मानसिक रूप से कमजोर होता है। ऐसे समय में यदि उसकी आस्था का शोषण किया जाए, तो यह न केवल अनैतिक है, बल्कि अमानवीय भी है। धर्म का उद्देश्य मनुष्य को टूटने से बचाना है, न कि उसे और अधिक बोझिल बनाना। पाखंड का सबसे बड़ा खतरा यह है कि वह धीरे–धीरे धर्म के प्रति अविश्वास को जन्म देता है। जब लोग बार–बार ठगे जाते हैं, उनकी भावनाओं का दोहन होता है, तो वे या तो धर्म से दूर हो जाते हैं या फिर हर परंपरा को संदेह की दृष्टि से देखने लगते हैं। यह स्थिति समाज के लिए घातक है, क्योंकि धर्म का स्वस्थ स्वरूप सामाजिक संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। आज के शिक्षित और जागरूक समाज में यह अपेक्षा की जाती है कि व्यक्ति हर बात को तर्क और विवेक की कसौटी पर परखे। आस्था और विवेक एक–दूसरे के विरोधी नहीं हैं। सच्ची आस्था वही है जो विवेक के साथ चल सके। यदि कोई परंपरा मानवता, नैतिकता और करुणा के विरुद्ध जाती है, तो उसे बदलना ही धर्मसम्मत कदम माना जाना चाहिए। धार्मिक संस्थानों और धर्म से जुड़े लोगों की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्हें यह समझना होगा कि उनकी जिम्मेदारी केवल कर्मकांड करवाना नहीं, बल्कि समाज को सही दिशा देना भी है। यदि धार्मिक नेतृत्व स्वयं लालच और स्वार्थ से प्रेरित होगा, तो आमजन से नैतिकता की अपेक्षा करना व्यर्थ है। धर्म को व्यवसाय नहीं, बल्कि सेवा का माध्यम बनाना समय की माँग है। इसके साथ ही समाज की जिम्मेदारी भी कम नहीं है। जब तक लोग स्वयं जागरूक नहीं होंगे, तब तक पाखंड समाप्त नहीं होगा। प्रश्न करना अधर्म नहीं है। हर परंपरा का उद्देश्य समझना और उस पर विचार करना बौद्धिक परिपक्वता का संकेत है। आँख मूँदकर हर बात मान लेना न तो आस्था है और न ही धर्म। मीडिया और शिक्षा संस्थानों की भूमिका भी इस संदर्भ में अहम है। यदि धार्मिक मुद्दों पर संतुलित, तार्किक और संवेदनशील चर्चा होगी, तो समाज में जागरूकता बढ़ेगी। शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार नहीं, बल्कि विवेकशील नागरिक तैयार करना भी हैकृऐसे नागरिक जो आस्था और अंधविश्वास में अंतर समझ सकें। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम धर्म को उसके मूल स्वरूप में लौटाने का प्रयास करें। ऐसा धर्म, जो भय नहीं, बल्कि शांति दे; जो शोषण नहीं, बल्कि संरक्षण करे; और जो विभाजन नहीं, बल्कि एकता का संदेश दे। आस्था को आत्मा की शक्ति बनाना होगा, न कि किसी के स्वार्थ का साधन। अंततः यह स्पष्ट है कि धर्म का भविष्य परंपराओं से अधिक हमारी सोच पर निर्भर करता है। यदि हम विवेक, करुणा और आत्मसम्मान को आस्था का आधार बनाएँ, तो पाखंड अपने आप समाप्त होने लगेगा। सच्चा धर्म वही है जो मनुष्य को बेहतर इंसान बनाए। आज के समय में यही सबसे बड़ी आवश्यकता और सबसे बड़ा धर्म है।

चांदी के बाजार में चीन का नया खेल

—रजनीश कपूर

दुनिया के चांदी बाजार में इस समय जो उथल–पुथल दिख रही है, उसमें चीन की नीतियां निर्णायक भूमिका निभा रही हैं और यही स्थिति वैश्विक निवेशकों के लिए गंभीर चेतावनी बन गई है। यह केवल सामान्य उतार–चढ़ाव नहीं, बल्कि आपूध्त, स्टॉकपाइल और निर्यात नियंत्रण के जरिए कीमतों व भावनाओं को प्रभावित करने का जटिल खेल है। 2025 में चीन ने चांदी पर राज्य–नियंत्रित निर्यात लाइसैंसिंग सिस्टम लागू किया, यानी बिना सरकारी मंजूरी के कोई कंपनी चांदी बाहर नहीं भेज सकती। शुरुआत में यह कदम 'घरेलू उद्योग की सुरक्षा' और 'संसाधन–संरक्षण' के नाम पर उठाया गया लेकिन इसका तात्कालिक असर वैश्विक बाजार में आपूर्ति–संकट और तेजी से बढ़ती कीमतों के रूप में दिखा। इसी साल अक्तूबर में चीन ने अचानक रिकॉर्ड 660 टन चांदी एक महीने में निर्यात कर दी, जो इतिहास में सबसे बड़ा मासिक आंकड़ा माना जा रहा है। यह कदम पहले लगाए गए निर्यात नियंत्रणों से उलट था और इसे एक घबराए हुए बाजार को शांत करने तथा वैश्विक कीमतों की दिशा तय करने की कोशिश के रूप में देखा गया। शंघाई फ्यूचर्स एक्सचेंज के आंकड़े दिखाते हैं कि 2021 के आसपास लगभग 3,900–5,000 टन तक पहुंचा चीन का चांदी स्टॉक 2025 के अंत तक गिरकर लगभग 700–800 टन के आसपास ही रह गया। यानी 80–85 प्रतिशत तक की गिरावट। जब दुनिया की सबसे बड़ी औद्योगिक खपत वाली अर्थव्यवस्था के गोदाम इस तरह खाली होने लगते हैं और साथ ही निर्यात नीति बार–बार बदली जाती है, तो बाजार में 'वास्तविक कमी' और 'संचालित कमी' के बीच की रेखा धुंधली हो जाती है। अनुमान है कि 2024 में चीन ने लगभग 3,300 टन चांदी का उत्पादन किया, जबकि घरेलू खपत 19,000 टन के आसपास पहुंच गई, यानी लगभग 15,700 टन का वाध्षक घाटा। यह संरचनात्मक घाटा और घटते स्टॉकपाइल चीन को नीति के जरिए अंतर्राष्ट्रीय कीमतों और सप्लाई–चेन पर अतिरिक्त दबाव बनाने का मौका देता है। यह पहली बार नहीं है जब चीन किसी महत्वपूर्ण खनिज या धातु की आपूर्ति को भू–राजनीतिक (जियोपॉलिटिक्स) या आध्थक हथियार की तरह इस्तेमाल किया हो। दुर्लभ धातुओं में 2008–2010 के बीच चीन ने निर्यात पर कोटा और पाबंदियां लगाकर कीमतों को आसमान पर पहुंचा दिया और जापान के साथ विवाद के दौरान सप्लाई रोक कर अपनी राजनीतिक ताकत दिखाने की कोशिश की थी। कमोडिटी बाजारों में 'कोर्नरिंग' या 'मैनिपुलेशन' की कोशिशों का इतिहास बेहद कड़वा रहा है। 1979–80 में हंट ब्रदर्स ने भारी मात्रा में फ्यूचर्स और भौतिक चांदी खरीदकर दुनिया की एक–तिहाई चांदी पर नियंत्रण करने की कोशिश की, जिससे कीमतें लगभग 6 डॉलर से बढ़कर 50 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच गईं। जैसे ही नियामकों ने पोजीशन लिमिट कड़ी की और मार्जन बढ़ाए, बाजार ध्वस्त हुआ, 'सिल्वर थर्सडे' के नाम से मशहूर क्रैश में कुछ ही दिनों में कीमत आधे से भी कम पर आ गई और लाखों निवेशक बर्बाद हुए। इसी तरह, दुर्लभ धातुओं के बाजार में चीन की 2010 की पाबंदियों ने वैश्विक मैन्युफैक्चरिंग कंपनियों को झटका दिया, उनकी लागत अचानक बढ़ गई और निवेश निर्णयों में भारी अनिश्चितता पैदा हुई। ये उदाहरण बताते हैं कि जब भी कोई सरकार या शक्तिशाली समूह किसी कमोडिटी को नियंत्रित करने की हद तक अपने हाथ में लेने लगता है, तो शुरुआती दौर में कीमतें ऊंची होकर 'लाभ' का भ्रम पैदा करती हैं लेकिन अंततरू परिणाम क्रैश और अव्यवस्था के रूप में सामने आते हैं। आज की स्थिति में चांदी की कीमतों में तेज उछाल के पीछे दो समानांतर धाराएं काम कर रही हैं। एक तरफ वास्तविक औद्योगिक मांग, जैसे कि सोलर पैनल, इलैक्ट्रिक वाहन, इलैक्ट्रॉनिक्स, मैडिकल उपकरण, जिसके लिए चांदी लगभग अपरिवर्तनीय है। दूसरी तरफ चीन सहित बड़े खिलाडियों की नीतिगत चालें, जैसे कि निर्यात पर रोक, अचानक बड़े निर्यात और कमोडिटी एक्सचेंजों पर 'पेपर' व 'फिजिकल' बाजार के बीच बढ़ती खाई। भ्रमित हो रहे निवेशकों के लिए इन दिनों सबसे बड़ा खतरा यह है कि चांदी की मौजूदा तेजी को बिना समझे 'नई सामान्य स्थिति' मान लिया जाए। कई विश्लेषण 80–100 प्रतिशत सालाना बढ़त और 90–170 डॉलर प्रति औंस के संभावित लक्ष्य जैसी बातों का जिक्र कर रहे हैं लेकिन यह भी साफ चेतावनी देते हैं कि यह वित्तीय सलाह नहीं, बल्कि उच्च जोखिम वाले परिदृश्य हैं। ऐसे माहौल में भावनात्मक खरीद, लेवरेज्ड ट्रेडिंग और अफवाह आधारित निर्णय निवेशकों को एक बार फिर से 'सिल्वर थर्सडे' जैसी स्थितियों की ओर धकेल सकते हैं। निवेशकों के लिए जरूरी है कि वे चीन की हर नीति–घोषणा, निर्यात लाइसैंसिंग, टैक्स बदलाव, स्टॉक रिलीज आदि को केवल 'समाचार' नहीं, बल्कि बाजार–रणनीति का हिस्सा समझें। किसी भी एक देश, एक एक्सचेंज या एक विश्लेषक के नैरेटिव पर अत्यधिक भरोसा करने की बजाय, विविध स्रोतों से आंकड़े, स्टॉक स्तर, इंडस्ट्रियल डिमांड और पॉलिसी–रिस्क का आकलन करना आवश्यक है। सबक साफ है कि जब भी संसाधन और सत्ता एक ही हाथ में केंद्रित होते हैं, बाजार 'फ्री' नहीं रह जाते, वे 'मैनेज्ड' हो जाते हैं। चांदी की मौजूदा कहानी निवेशकों के लिए केवल मुनाफे का मौका नहीं, बल्कि यह समझने की कसौटी है कि भू राजनीति और कमोडिटी बाजार के बीच गठजोड़ कितना खतरनाक हो सकता है और इस खतरनाक गठजोड़ से बचाव की पहली और अहम शर्त केवल सावधानी ही है, अंध–उत्साह नहीं।

पत्रकार से अभद्रता और सही जवाब

पुराने साल के बीतने और नए साल के आने के दरम्यान मध्यप्रदेश से एक अच्छी और एक बुरी खबर आई। बुरी खबर यह कि देश के स्वच्छतम शहरों में शुमार राज्य की आर्थिक राजधानी इंदौर के भागीरथपुरा क्षेत्र में दूषित पानी की वजह से फैले संक्रमण ने गंभीर रूप ले लिया है। पिछले लगभग एक हफ्ते से दूषित पानी से बीमार होने की खबर आ रही थी। फिर पता चला कि मुख्य जल आपूर्ति लाइन में लीकेज के कारण सीवरेज का पानी मिलने से सैकड़ों लोग उल्टी–दस्त के शिकार हो गए हैं। कम से कम 13 लोगों की तो जान ही जा चुकी है और कई अब भी अस्पताल में भर्ती हैं।गौरतलब है कि मध्यप्रदेश में लगातार भाजपा का शासन बना हुआ है। 2018 में कांग्रेस ने चुनाव जीता भी था, लेकिन कमलनाथ सरकार को ज्योतिरादित्य सिंधिया की मदद से भाजपा ने गिरवा दिया और फिर से अपनी सरकार बना ली। इंदौर के सभी 9 विधायक भाजपा से हैं, सांसद भी भाजपा के हैं, महापौर भी भाजपा के हैं और सबसे बढ़कर शहरी विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय भी भाजपा से ही हैं। इसके बावजूद अगर इतने लोग दूषित जल से मर जाएं, तो फिर नैतिकता यही कहती है कि जिम्मेदार लोगों को फौरन इस्तीफे की पेशकश कर देनी चाहिए। लेकिन मोदीजी के नए भारत में इस्तीफे नहीं होते, ये बात तो खुद राजनाथ सिंह कह चुके हैं।इस नए भारत में जनप्रतिनिधि मीडिया को सवाल पूछने का हक भी नहीं देते हैं, यह बात भी अब मोदी सरकार को और भाजपा को आधिकारिक तौर पर कह देनी चाहिए। क्योंकि लगातार ऐसे प्रकरण हो रहे हैं जिसमें सवाल पूछने वाले पत्रकार से बदसलूकी हो रही है। तो इस बुरी खबर के बीच अच्छी खबर ये है कि भाजपा भले ही सवाल पूछने का हक न दे, लेकिन देश में अभी कुछ पत्रकार बचे हैं जो न केवल सवाल पूछ रहे हैं, बल्कि मंत्री की तरफ से गलत भाषा के इस्तेमाल पर खुल कर विरोध भी कर रहे हैं। दरअसल कैलाश विजयवर्गीय से एनडीटीवी के पत्रकार अनुराग द्वारी ने दूषित जल प्रकरण पर सवाल किए तो उन्होंने झल्लाते हुए कहा कि फोकट के प्रश्न मत पूछो, श्री द्वारी इस पर भी नहीं रुके और उन्होंने प्रतिवाद किया, साथ ही कहा कि मैं वहां होकर आया हूं, तो उन्होंने कहा कि क्या घंटा होकर आए हो। इस निम्नस्तरीय भाषा पर अनुराग द्वारी ने कैलाश विजयवर्गीय को सीधे–सीधे भाषा की तमीज का पाठ पढ़ा दिया और कहा कि वो अपना काम कर रहे हैं, हालांकि इसके बाद भी श्री विजयवर्गीय के साथ के लोगों ने अनुराग द्वारी को ही रोकने की कोशिश की कि हमारे नेता हैं, उनसे ऐसी बात नहीं की जा सकती।दरअसल मोदी–शाह के युग की भाजपा के कई नेताओं को यह खुशफहमी है कि उनसे सवाल नहीं किया जा सकता, या उनकी सरकार की खामियों पर टोका नहीं जा सकता। पूर्व सांसद स्मृति ईरानी ने अमेठी में एक पत्रकार को डपटते हुए कहा था कि मैं आपके मालिक से बात करूंगी।

राशिफल

मेष :– आज आप सांसारिक बातें भूलकर आध्यात्मिक प्रवृत्तियों में संलग्न रहेंगे। गहरी चिंतनशक्ति आपके मानसिक भार को हल्का करेगी। बोलने पर संयम रखने से अनर्थ से बच जाएंगे।

वृषभ :– आप जीवनसाथी की निकटता का सुख प्राप्त कर सकेंगे। परिवार के साथ सामाजिक समारोह में बाहर घूमने या पर्यटन पर जाएंगे और आनंद में समय व्यतीत होगा।

मिथुन :– अधूरे कार्यों की पूर्णता के लिए आज का दिन शुभ है। परिवार में आनंद और उल्लास रहेगा। स्वास्थ्य बना रहेगा। कार्यों में यश और कीर्ति मिलेगी। नौकरीपेशा वालों को लाभ होगा।

कर्क :– अच्छे मन से दिन व्यतीत करने की गणेशजी सलाह देते हैं, क्योंकि आज का दिन शारीरिक और मानसिक रूप से उद्वेगपूर्ण रहेगा। पेट दर्द परेशान करेगा। धन खर्च की संभावना है।

सिंह :– आज मानसिक अस्वस्थता रहेगी। परिजनों के साथ मनमुटाव की स्थिति आएगी। माताजी की तबीयत खराब हो सकती है। नकारात्मक विचारों से हताशा उत्पन्न होगी।

कन्यारू बिना विचारे साहस करने के प्रति गणेशजी चेतावनी देते हैं। भावनात्मक सम्बंध स्थापित होंगे। मित्रों और स्नेहीजनों के साथ मुलाकात होगी। विरोधियों का डटकर सामना करेंगे।

तुला :– आज की मानसिक वृत्ति नकारात्मक रहेगी। क्रोध आवेश में वाणी पर संयम खोने से पारिवारिक सदस्यों के साथ विवाद होगा। अनावश्यक खर्च बढ़ेंगे। स्वास्थ्य खराब होगा।

वृश्चिक :– आज का दिन शुभ होगा। शारीरिक और मानसिक रूप से प्रसन्नता रहेगी। पारिवारिक सदस्यों के साथ खुशी से समय बीतेगा। धन लाभ का योग है।

धनु :– क्रोध के कारण पारिवारिक सदस्यों के साथ सम्बंध बिगड़ेंगे। आपकी वाणी और व्यवहार झगड़े का कारण बन सकते हैं। दुर्घटना से बचें। बीमारी के पीछे धन खर्च होगा।

मकर :– आज का दिन हर क्षेत्र में लाभदायक है। स्नेहीजनों और मित्रों से मिलना होगा। प्रिय व्यक्तियों के साथ मुलाकात रोमांचक रहेगी। व्यापार–धंधे में आय वृद्धि होगी।

कुंभ :– हर कार्य सरलतापूर्वक हल होंगे और उनमें सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में अनुकूल परिस्थिति बनेगी। सरकारी कार्य निर्विघ्न पूरे होंगे। स्वास्थ्य बना रहेगा। धन प्राप्ति का योग है।

मीन :– आज के दिन की शुरुआत भय के साथ होगी। शरीर में सुस्ती और थकान रहेगी। कोई भी कार्य पूरा न होने पर हताशा होगी। भाग्य साथ न देता हुआ प्रतीत होगा। व्यर्थ में पैसे खर्च होंगे।

पारिवारिक परंपरा को बोझ नहीं, वैश्विक समाधान समझें

—ललित गर्ग

वैश्विक परिवार दिवस, शान्ति और साझेदारी का एक दिन, संयुक्त राज्य अमेरिका में प्रतिवर्ष 1 जनवरी को मनाया जाता है। यह दिवस संयुक्त राष्ट्र सहस्राब्दी समारोह, 'शान्ति में एक दिन' से विकसित हुआ। समग्र विश्व एक वैश्विक ग्राम है और हम सभी इस बृह–परिवार का हिस्सा हैं। भारत ने तो वसुधैव कुटुम्बकम् का उद्घोष करते हुए समूची दुनिया को एक परिवार ही माना है। वैसे भारत की परिवार परम्परा दुनिया के लिये अनुकरणीय है। हम सभी एक परिवार हैं, चाहे हमारी नागरिकता, धर्म, जाति, सीमाएं या नस्ल कुछ भी हो। समग्र मानव जाति को एक साथ आना चाहिए और प्रेम और शान्ति में विश्वास करना चाहिए और विश्व में सुख और आशा लाने हेतु इसका अभ्यास करना चाहिए। संसार संघर्षों, युद्धों, उपद्रवों, कष्ट और पीड़ा से भरा पड़ा है। यदि हम सभी एक साथ आएं और दुनिया को प्रेम और धैर्य से ठीक करें, तो हम सभी खुशी से और अपने हृदयों में आशा के साथ रह सकते हैं। वैश्विक परिवार दिवस विविधता एवं एकता और विश्व शान्ति और अहिंसा महत्त्व के बारे में जागरूकता लाता है। इस दिवस की शुरुआत 1997 में हुई जब संयुक्त राष्ट्र महासभा ने नव सहस्राब्दी के पहले दिन से विश्व के बच्चों के लिए शांति और अहिंसा की संस्कृति के अंतर्राष्ट्रीय दशक की शुरुआत की। लिंडा ग्रोवर ने अमेरिका में इसे बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और इसे बढ़ावा देने के अन्य प्रयासों में 'वन डे इन पीस – जनवरी 1, 2000' जैसी पुस्तकें शामिल थीं। यह पुस्तक भविष्य में एक ऐसे दिन की अवधारणा पर आधारित थी जहाँ केवल शांति हो और कोई युद्ध न हो। हालांकि, यह एक नए शांतिपूर्ण विश्व की शुरुआत मात्र थी और 1999 में, संयुक्त राष्ट्र के सभी सदस्य देशों को उस वर्ष के पहले दिन को शांति निर्माण की रणनीतियों को विकसित करने के लिए समर्पित करने का निमंत्रण मिला। इस दिन के सकारात्मक प्रभाव को देखते हुए, संयुक्त राष्ट्र ने 2001 में वैश्विक परिवार दिवस को वार्षिक आयोजन घोषित कर दिया। प्रत्येक वर्ष परिवार की भूमिका, उसकी बदलती संरचना और सामाजिक प्रासंगिकता पर विचार करने का अवसर देने वाला वैश्विक परिवार दिवस आज के समय में केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं रह गया है, बल्कि वह आधुनिक समाज की सबसे गहरी विडंबनाओं और चुनौतियों को उजागर करने वाला एक चिंतन–दिवस बन गया है। परिवार मानव जीवन की वह मूल इकाई है, जहाँ व्यक्ति का भावनात्मक, नैतिक और सामाजिक निर्माण होता है। भारतीय संदर्भ में परिवार केवल रक्त–संबंधों का समूह नहीं रहा, बल्कि वह संस्कारों की पाठशाला, शांति, सहयोग एवं सौहार्द की प्रयोगभूमि और जीवन–मूल्यों का आधार रहा है। इसी परिवार–परंपरा ने भारत को सदियों तक सामाजिक स्थिरता, अहिंसा, सहिष्णुता और मानवीय करुणा का देश बनाए रखा। आज विडंबना यह है कि जिस भारतीय परिवार व्यवस्था को दुनिया एक आदर्श मॉडल के रूप में देख रही है, उसी भारत में वह धीरे–धीरे उपेक्षा और विस्मृति का शिकार होती जा रही है। वैश्वीकरण, शहरीकरण, प्रतिस्पर्धा और उपभोक्तावादी जीवनशैली ने परिवार को सुविधा–केंद्रित इकाई में बदल दिया है। संयुक्त परिवारों का विघटन, एकल परिवारों का बढ़ना और रिश्तों में औपचारिकता का प्रवेश इस परिवर्तन की स्पष्ट पहचान है। माता–पिता दोनों के कार्यरत होने की स्थिति में बच्चों के साथ समय बिताना एक चुनौती बन गया है। परिणामस्वरूप बचपन, जो कभी परिवार के स्नेह, संवाद और अनुभवों से संवरता था, आज स्क्रीन, अकेलेपन और भावनात्मक रिक्तता के बीच पनप रहा है। बच्चों के जीवन में माता–पिता की अनुपस्थिति केवल समय की कमी नहीं है, बल्कि वह सुरक्षा, संवाद और मार्गदर्शन की कमी भी है। परिवार का वह सहज वातावरण, जहाँ प्रश्न पूछे जा सकते थे, गलतियाँ स्वीकार की जा सकती थीं और भावनाएँ साझा की जा सकती थीं, आज धीरे–धीरे सिमटता जा रहा है। बुजुर्ग, जो कभी परिवार की धुरी हुआ करते थे, अनुभव और संस्कार के संवाहक थे, आज कई घरों में हाशिये पर खड़े दिखाई देते हैं। उनके पास समय नहीं, धैर्य नहीं और कभी–कभी सम्मान भी नहीं बचा। यह स्थिति केवल पीढ़ियों के बीच दूरी नहीं बढ़ा रही, बल्कि समाज को उसके नैतिक आधार से भी वंचित कर रही है। दूसरी ओर, यह भी एक महत्वपूर्ण तथ्य है कि वैश्विक स्तर पर आज परिवार की भूमिका को नए सिरे से समझा जा रहा है। पश्चिमी देशों में, जहाँ अत्यधिक व्यक्तिगत स्वतंत्रता ने सामाजिक अकेलेपन को जन्म दिया, अब परिवार, साझेदारी और सामूहिक जीवन की पुनर्स्थापना पर गंभीर विमर्श हो रहा है। इसी क्रम में वैश्विक परिवार दिवस को केवल परिवार के रूप में नहीं, बल्कि शांति, सहयोग और साझेदारी के प्रतीक के रूप में भी देखा जाने लगा है। उल्लेखनीय है कि संयुक्त राज्य अमेरिका में इस दिवस को शांति और साझेदारी के वैश्विक दिवस के रूप में भी परिवार और मानवीय संबंधों के महत्व को रेखांकित किया जाता है। यह संकेत देता है कि परिवार केवल निजी जीवन की इकाई नहीं, बल्कि वैश्विक शांति और सामाजिक संतुलन की आधारशिला भी है। दुनिया भर में संस्कृतियाँ और धर्म अलग–अलग हो सकते हैं लेकिन सच्चाई यह है कि पूरी मानव जाति एक बड़ा परिवार है जो एकजुट होकर ही जीवित रह सकती है। इस वर्ष वैश्विक परिवार दिवस की थीम "परिवार, शिक्षा और कल्याणः आज और भविष्य" इस तथ्य की ओर संकेत करती है कि परिवार की भूमिका केवल बच्चों को पालने तक सीमित नहीं है, बल्कि वह शिक्षा का पहला केंद्र और कल्याण का स्थायी आधार है। वैश्विक परिवार दिवस की प्रासंगिकता इसी बिंदु पर सबसे अधिक उभरकर सामने आती है कि परिवार केवल रहने की व्यवस्था नहीं, बल्कि जीने की संस्कृति है। परिवार में बिताया गया समय निवेश है, व्यय नहीं। बच्चों के साथ संवाद, बुजुर्गों के साथ सहभागिता और रिश्तों के बीच संवेदनशीलता समाज के दीर्घकालिक स्वास्थ्य की गारंटी है। यदि आज परिवार टूट रहे हैं, तो उसका प्रभाव केवल घर की चारदीवारी तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि वह सामाजिक असंतुलन, मानसिक तनाव और मूल्यहीनता के रूप में व्यापक रूप से सामने आएगा। इस संदर्भ में आवश्यक है कि हम परिवार को नए दृष्टिकोण से देखें। आधुनिकता और परंपरा के बीच संतुलन स्थापित किया जाए। कार्य और परिवार के बीच प्राथमिकताओं का पुनर्निर्धारण हो। डिजिटल सुविधाओं के साथ मानवीय संवाद को भी उतना ही महत्व दिया जाए। बच्चों के लिए समय निकालना दायित्व नहीं, बल्कि भविष्य के समाज में निवेश के रूप में समझा जाए। बुजुर्गों को केवल सहारा नहीं, बल्कि मार्गदर्शक के रूप में पुनः स्वीकार किया जाए। वैश्विक परिवार दिवस और शांति व साझेदारी का वैश्विक संदेश हमें यह सिखाता है कि परिवार जितना सशक्त होगा, समाज उतना ही शांत और सहयोगी बनेगा। परिवारों में संवाद होगा तो समाज में टकराव कम होंगे। परिवारों में साझेदारी होगी तो राष्ट्रों के बीच भी सहयोग की भावना मजबूत होगी। इसलिए आज आवश्यकता इस बात की है कि भारत अपनी पारिवारिक परंपरा को बोझ नहीं, बल्कि वैश्विक समाधान के रूप में देखे। अंततः वैश्विक परिवार दिवस हमें आत्ममंथन का अवसर देता है। यदि परिवार सशक्त हुए तो शांति, साझेदारी और मानवीय मूल्यों का भविष्य सुरक्षित रहेगा। भारतीय परिवार परंपरा आज भी प्रासंगिक है, आवश्यक है कि हम उसे समयानुकूल रूप देते हुए अपने जीवन के केंद्र में पुनः स्थापित करें क्योंकि मजबूत परिवार ही मजबूत समाज और शांत विश्व की आधारशिला होते हैं।

प्रमुख सचिव नगर विकास ने परखी योजनाओं की हकीकत

सूडा द्वारा संचालित समस्त योजनाओं की प्रमुख सचिव नगर विकास ने की समीक्षा

लखनऊ ब्यूरो

लखनऊ। प्रमुख सचिव नगर विकास, पी0 गुरू प्रसाद ने राज्य नगरीय विकास अभिकरण सूडा द्वारा संचालित समस्त योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। उक्त समीक्षा बैठक में निदेशक सूडा अपूर्वा दुबे, विशेष सचिव, प्रवीन लक्षकार, वित्त नियंत्रक, संजीव गुप्ता, सहायक निदेशक, मोनिका वर्मा, कार्यक्रम अधिकारी अतुल सिंह चौहान सहित विभाग के समस्त अधिकारियों ने प्रतिभाग किया। समीक्षा बैठक में प्रमुख सचिव नगर विकास ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना – शहरी 1.0 एवं प्रधानमंत्री आवास योजना–शहरी 2.0 के सफल क्रियान्वयन में उत्तर प्रदेश ने महत्वपूर्ण योगदान दिया है। प्रधानमंत्री आवास योजना–शहरी 1.0 में 17 लाख से अधिक आवास पात्रों को दिए हैं। योजना के प्रथम चरण में लम्बित 64 हजार से अधिक आवासों को जल्द से जल्द तय समय सीमा में पूरा किया जाए। इसके साथ ही प्रमुख सचिव नगर विकास ने प्रधानमंत्री आवास योजना–शहरी 2.0 की प्रगति का हाल भी जाना। निदेशक सूडा ने बताया कि प्रदेश में अब तक प्रधानमंत्री आवास योजना–शहरी 2.0 के अंतर्गत यूनिफाइड वेबपोर्टल के माध्यम से 23 लाख से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें से चार लाख से अधिक आवेदनों के सत्यापन का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। प्रमुख सचिव नगर विकास ने कहा प्रदेश के सभी स्थानीय शासी निकायों की आबादी के अनुरूप आवेदनों की संख्या के प्रतिशत का भी ध्यान रखा जाए। प्रमुख सचिव ने प्रधानमंत्री आवास योजना–शहरी 2.0 में अब तक संपन्न हुई पांच सीएसएमसी की बैठकों में स्वीकृत आवासों का आंकड़ा भी जाना। प्रधानमंत्री आवास योजना–शहरी 1.0 के घटक एएचपी यानी किफायती दर पर आवास की प्रगति की समीक्षा भी की। जिन स्थानों पर एएचपी की प्रगति की गति धीमी है वहां पर प्राधिकरण व निजी डेवलपर्स के साथ ही नगर निगम व हाउसिंग बोर्ड से समन्वय बनाकर प्रोजेक्ट को त्वरित गति से पूर्ण करने के निर्देश भी दिए। लाइट हाउस प्रोजेक्ट यानी एलएचपी की प्रगति की समीक्षा करते हुए प्रमुख सचिव ने कहा कि जल्द से जल्द अवशेष कार्य पूरे कर लिए जाए। एलएचपी में सोलर पैनल लगाने सहित फनिशिंग आदि के जो भी कार्य अपूर्ण हैं उनको पूरा किया जाए। प्रमुख सचिव नगर विकास ने प्रधानमंत्री स्वनिधि के प्रथम व द्वितीय चरण की प्रगति का भी हाल जाना। इसके साथ पायलट प्रोजेक्ट के रूप में लखनऊ, आगरा व वाराणसी में संचालित होने वाली दीन दयाल जन आजीविका योजना–शहरी की प्रगति का भी हाल जाना। उक्त योजना के माध्यम से स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के जीवन में आ रहे सकारात्मक परिवर्तनों को भी जाना। इसके साथ ही डे–एनयूएलएम के अंतर्गत प्रदेश के चालीस जनपदों में संचालित होने वाली 50 शक्ति रसोई की प्रगति का हाल भी जाना। प्रमुख सचिव नगर विकास ने कहा कि शक्ति रसोई का संचालन एयरपोर्ट व मेट्रो स्टेशनों पर किया जाए तो यह इसकी ख्याति को और भी बढ़ा सकता है। निदेशक सूडा ने प्रमुख सचिव को अवगत कराया कि इस दिशा सूडा द्वारा संबंधित विभागों से पत्राचार किया जा रहा है। मुख्यमंत्री नगरीय अल्पविकसित व मलिन बस्ती योजना की समीक्षा करते हुए प्रमुख सचिव ने कहा कि विकास कार्यों में हीलाहवाली बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जनपद स्तर पर टेंडर की व्यवस्था को पारदर्शी बनाने के साथ ही यह भी ध्यान रखना आवश्यक है कि विकास कार्य निश्चित समय सीमा में पूरे किए जाएं। उक्त समीक्षा बैठक में निदेशक सूडा ने प्रमुख सचिव नगर विकास के सम्मुख विभाग में रिक्त पड़े पदों के कारण योजनाओं के क्रियान्वयन में हो रहे विलम्ब के विषय में भी अवगत कराया। प्रमुख सचिव द्वारा जल्द इस समस्या के प्रभावी निस्तारण का आवश्वासन दिया गया।

नव वर्ष के मौके मठ मंदिरों एवं गरीब असहाय जनमानस तक पहुंची ममता ट्रस्ट की ममता -राजीव मिश्रा

ममता ट्रस्ट ने नव वर्ष पर गरीब असहायों को बांटे कंबल

लखनऊ ब्यूरो

लखनऊ। नर सेवा को अपना ध्येय बना चुकी ममता चेरिटेबल ट्रस्ट नित गरीबों, असहायों की सेवा का संकल्प ले चुकी है स शीत लहर के कहर से असहायों को कंबल ओढ़ा कर हरसंभव मदद करती आ रही है। इसी क्रम में 01/01/2026 नव वर्ष के अवसर पर ममता चेरिटेबल ट्रस्ट के ट्रस्टी राजीव मिश्रा नैमिष धाम पहुंचकर हनुमानगढ़ी मठ के आश्रम तथा आसपास के आश्रमों में पहुंचकर आश्रम में शिक्षा ले रहे हजारों छात्रों को कंबल तथा फल और भोजन वितरित किया स इतना ही नही नैमिष धाम तथा आसपास के क्षेत्र के गरीब असहाय व्यक्तियों को कम्बल वितरित कियास। कंबल वितरित करते हुए ट्रस्ट के चीफ ट्रस्टी एवं भाजपा अवध क्षेत्र के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष राजीव मिश्रा ने लाभार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि जरूरतमंदों की सदैव सेवा करने तथा दिव्यांगो को कभी भी कोई जरूरत हो तो ममता ट्रस्ट से संपर्क करे ट्रस्ट हमेशा आपके साथ है और सदैव हरसंभव मदद करने को तैयार है।

हनुमानजी के दर्शन किए, फिर दानपेटी चुराई

संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ में प्राचीन शीतला माता मंदिर से दानपात्र चोरी हो गया। सुबह जब पुजारी मंदिर पहुंचे तो देखा कि दानपात्र गायब था। सीसीटीवी खंगाला गया तो चोरी करते एक युवक दिखाई दिया। वह सीधे दानपात्र के पास पहुंचा, लेकिन उसे छूने से पहले उसने हनुमानजी की ओर देखा। इसके बाद दानपात्र के ऊपर रखी सामग्री हटाई और फिर दानपात्र पकड़ते समय दोबारा हनुमानजी की ओर नजर डाली। चोर ने एक बार पसीना पोंछा, कुछ क्षण सोचा और फिर दानपात्र उठा लिया। जाते वक्त वह तीन कदम उल्टे पांव चला, मानो भगवान की ओर पीठ न करना चाहता हो। बाहर निकलते समय उसने मुड़कर एक बार फिर हनुमानजी के दर्शन किए। मंदिर में चोर नंगे पांव पहुंचा था, ऐसा लग रहा कि वह बाहर जूते या चप्पल निकाल कर गया था। घटना कैंटोनमेंट सदर क्षेत्र की है। मामला नेहरू रोड स्थित प्राचीन माता शीतला देवी मंदिर का है। पुजारी ने सीसीटीवी फुटेज पुलिस को सौंपते हुए थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है।

संक्षिप्त

सोलर पैनल लगाने जा रह लड़के की ई–रिक्शा की टक्कर से मौत

संवाददाता

लखनऊ। राजधानी के पारा थाना क्षेत्र में शुक्रवार सुबह एक सड़क हादसे में 20 साल के लड़के की मौत हो गई। मृतक की पहचान सचिन शर्मा के रूप में हुई है। वह हरदोई का रहने वाला था। यहां इलाके में सोलर पैनल लगाने का काम करता है। हंसखेड़ा स्थित सिंधी कॉलोनी में सुबह करीब 11 बजे सोलर पैनल लगाने जा रहा था। उसे एक तेज रफ्तार ई–रिक्शा ने स्कूटी को टक्कर मार दी। वह घायल होकर वहीं गिर गया। मौके से ई–रिक्शा चालक फरार हो गया। सूचना मिलते ही पारा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। गंभीर रूप से घायल सचिन को तत्काल लोक बंधु अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार, हरदोई के शाहाबाद के सुरेंद्र शर्मा का बेटा सचिन लखनऊ में सोलर पैनल लगाता है। वह काम के सिलसिले में हंस खेड़ा क्षेत्र में किराए के मकान में रह रहा था। पुलिस ने मौके से दुर्घटनाग्रस्त ई–रिक्शा को कब्जे में ले लिया है। उप निरीक्षक मुन्नालाल के अनुसार, मृतक के परिजन से अभी शिकायत नहीं मिली। शिकायत मिलने के बाद संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस पंचायतनामा की कार्रवाई कर रही है पुलिस घटना के सभी पहलुओं की गहन जांच कर रही है। स्थानीय लोगों ने सड़क पर बढ़ती लापरवाही और तेज रफ्तार वाहनों पर चिंता व्यक्त की है।

परिवहन मंत्री ने प्रयागराज में होने वाले मेला की तैयारियों की समीक्षा की

बेहतर एवं सुचारू यात्रा मुहैया कराने के दिए निर्देश
आवागमन में किसी प्रकार की असुविधा ना हो -दयाशंकर सिंह

लखनऊ ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के परिवहन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)दयाशंकर सिंह ने प्रयागराज में माघ मेला स्नान के दृष्टिगत परिवहन निगम की तैयारीयों की समीक्षा की और निर्देश दिए कि आवागमन को सुव्यवस्थित एवं सुविधाजनक बनाए रखने हेतु समय पर सभी तैयारियां पूर्ण कर ली जाए। किसी भी प्रकार की अव्यवस्था नहीं होनी चाहिए। उत्तर प्रदेश परिवहन निगम के प्रबंध निदेशक प्रभु एन सिंह ने परिवहन मंत्री को आश्वस्त करते हुए बताया कि प्रयागराज में अस्थाई बस स्टेशन झूसी, लेप्रोसी, बेला कछार, नेहरू पार्क में वर्कशाप का कार्य पूर्ण हो गया है। समस्त 05 चेक पोस्ट स्थापित होकर वर्तमान में कार्यरत हैं। 250 बेड के जर्मन हैन्गर को बनाने का कार्य भी पूर्ण हो गया है । उन्होंने बताया कि व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने के दृष्टिगत मुख्य पर्व स्नानों पर 02 दिन पूर्व से 01 दिन बाद तक मेला क्षेत्र में समिति के अधिकारीगण उपस्थित रहेगें। इसके अतिरिक्त स्थानीय अधिकारी नियमित रूप से मेला क्षेत्र में उपस्थित हैं। प्रबंध निदेशक ने बताया कि समस्त 7 मागों गोरखपुर, वाराणसी, लखनऊ, अयोध्या, मिर्जापुर, चित्रकूट एवं कानपुर पर क्यू०आर०टी० टीम तैनात होकर कार्यरत हैं। अस्थाई बस स्टेशन झूसी एवं नेहरूपार्क में समतलीकरण का कार्य पूर्ण करा लिया गया है। ग्राउण्ड की सफाई नियमित रूप से करायी जा रही है। झूसी, पटेल बाग एवं लेप्रोसी में प्रकाश की व्यवस्था पूर्ण हो गयी है। नेहरू पार्क में तथा बेला कछार में विद्युत पोल लग गये है विद्युत आपूर्ति में समय लगने के दृष्टिगत वैकल्पिक रूप में जनरेटर की व्यवस्था करा ली गयी हैं।झूसी बस स्टेशन पर 24 सीट के स्थाई एवं 8–8 सीट के दो मोबाईल टाईलेट तथा लेप्रोसी में 6–6 सीट के दो, बेला कछार में 8–8 सीट के दो, पटेल बाग में 8 सीट के एक मोबाईल टाईलेट उपलब्ध हो गये हैं। प्रबंध निदेशक ने बताया कि सभी बस स्टेशनों पर अलाव, पब्लिक एड्रेस सिस्टम, चकर प्लेट व रिपेयर / मेन्टीनेंस हेतु आवश्यक उपकरण की व्यवस्था करा ली गयी है। समस्त अस्थाई बस स्टेशनों झूसी, पटेलबाग, लेप्रोसी, बेला कछार, नेहरू पार्क एवं विद्यावाहनी बस स्टेशन पर सीसीटीवी कैमरा लगवा दिया गया है।आवागमन हेतु सम्बन्धित विवरण पलैक्सी लगवा दिया गया है।सभी बस स्टेशनों पर अग्निशमन यंत्र की व्यवस्था हो गयी है। झूसी, पटेल बाग एवं लेप्रोसी में फायर ब्रिगेड स्थापित हो गया है।कैन्टीन हेतु जगह चिन्हित कर निर्माण कार्य आज पूर्ण कराते हुए दिनांक 03.01. 2026 को कियाशील हो जायेगा। कैण्टीन में गुणवत्तायुक्त खाद्य पदार्थ की उपलब्धता सुनिश्चित कराये जायेगी तथा उनके गुणवत्ता की खाद्य विभाग से नियमित रूप से चेकिंग भी करायी जायेगी।समस्त बस स्टेशनों पर पूछताछ काउण्टर स्थापित हैं।ॉसी/पटेल बाग बस स्टेशन पर 250 रिजर्व बस, लेप्रोसी बस स्टेशन पर 50 रिर्जव बस, बेला कछार बस स्टेशन पर 25 रिजर्व बस एवं नेहरू पार्क बस स्टेशन पर 75 रिजर्व बस के पार्किंग की प्लानिंग कर ली गयी है। झूसी क्षेत्र में अंदावा, फाफामऊ एवं नैनी क्षेत्र में लेप्रोसी पुल के पास तथा तेलियरगंज के पास 01–01 केन मय कटर मशीन की व्यवस्था करा ली गयी है। फाफामऊ, नैनी एवं अंदावा भार्ग पर गंगा एवं यमुना पुल के पास केन मय कटर की स्थापित करा दिया गया है।. एएलएस व बीएलएस एम्बुलेन्स हेतु मुख्य चिकित्साधिकारी, प्रयागराज से अनुरोध किया गया है। प्रबंध निदेशक ने बताया कि समस्त मागों पर नगर प्रवेश स्थलों के निकट सड़कों के किनारे खड़े वाहनों को हटाने हेतु प्रत्येक बस स्टेशनों पर 5–5 चालक रिजर्व रखा गया है।परिवहन निगम के मेला में तैनात अधिकारियों के मोबाईल नम्बर मेला नियंत्रण कक्ष एवं जिला प्रशासन को उपलब्ध करा दिया गया है।समस्त अस्थाई बस स्टेशनों पर माघ मेला अवधि हेतु अस्थायी पुलिस चौकी की स्थापना हेतु पुलिस विभाग से अनुरोध किया गया है तथा बसों की द्वितीय चाभी बस स्टेशन पर तैनात मेलाधिकारी को उपलब्ध करायी जा रही हैं। माघ मेला में आने वाले समस्त चालकों / परिचालकों की मादक पदार्थों का सेवन न किये जाने हेतु काउन्सिलिंग करायी जा रही।

लखनऊ, रायबरेली और फतेहपुर के एआरटीओ सस्पेंड

भ्रष्टाचार में संलिप्त अधिकारी और कर्मचारी के खिलाफ प्रदेश सरकार सख्त– दयाशंकर

संवाददाता

लखनऊ। परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह के निर्देश पर अनुशासनात्मक कार्यवाही के तहत लखनऊ, रायबरेली, फतेहपुर के सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी प्रवर्तन क्रमशः राजीव कुमार बंसल, अम्बुज एवं पुष्पांजलि मित्रा गौतम को निलंबित कर दिया गया है। परिवहन मंत्री ने कहा कि सरकार की भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति के तहत उक्त अधिकारियों को निलंबित किया गया है। भ्रष्टाचार के खिलाफ सरकार सख्त है और किसी भी स्तर पर भ्रष्टाचार स्वीकार्य नहीं है। विशेष सचिव ने बताया कि अधिकारियों के खिलाफ रायबरेली के थाना लालगंज में एसटीएफ द्वारा भारतीय न्याय संहिता–2023, भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम–1988 एवं मोटरयान अधिनियम–1988 के तहत एफआईआर दर्ज कराई गयी थी। एसटीएफ की कार्यवाही में इन अधिकारियों के खिलाफ गंभीर कृत्यों,कदाचार में संलिप्तता के कारण इन अधिकारियों का नाम दर्ज होना

सरकारी सेवा आचरण नियमों का उल्लंघनकर्तव्यहीनता और शासकीय राजस्व क्षति पहुंचाने, विभाग की छवि धूमिल करने के दृष्टिगत अधिकारियों के खिलाफ निलंबन की कार्यवाही की गयी है। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी रायबरेली अंबुज एवं सहायक संभागीय अधिकारी फतेहपुर पुष्पांजलि मित्रा गौतम की जांच उप परिवहन आयुक्त मयंक ज्योति को सौंपी गयी है। सहायक संभागीय अधिकारी राजीव कुमार बंसल की जांच उप परिवहन आयुक्त केडी सिंह को सौंपी गयी है। निलंबन अवधि में उक्त अधिकारी मुख्यालय से संबद्ध रहेगे। निलंबन अवधि में निर्वाह भत्ते की धनराशि अर्द्धवेतन पर देय अवकाश वेतन की राशि के बराबर देय होगा।

रेलवे लाइन किनारे अवैध बस्ती पर चला बुलडोजर

निराला नगर और डालीगंज इलाके में प्रशासन की सख्त कार्रवाई

संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में रेलवे लाइन किनारे अवैध रूप से बसाई गई बस्ती पर एक बार फिर प्रशासन का बुलडोजर चला। लखनऊ के निराला नगर और डालीगंज इलाके में रेलवे की जमीन पर अवैध रूप से रह रहे रोहिंग्या–बांग्लादेशी बताए जा रहे लोगों की बस्ती को हटाने की कार्रवाई की गई। प्रशासन और रेलवे अधिकारियों की संयुक्त टीम ने पुलिस बल की मौजूदगी में यह कार्रवाई की। अधिकारियों का कहना है कि रेलवे लाइन के किनारे लंबे समय से अवैध कब्जा कर झोपड़ियां बनाई गई थीं, जिससे सुरक्षा और परिचालन दोनों पर खतरा बना हुआ था। कई बार नोटिस देने के बाद भी अतिक्रमण नहीं हटाया गया, जिसके बाद सख्त कदम उठाया गया। कार्रवाई निराला नगर और डालीगंज इलाके में की गई, जहां रेलवे ट्रैक के बेहद पास झुग्गी–झोपड़ियां बनी हुई थीं। बुलडोजर कार्रवाई के दौरान किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए मौके पर भारी पुलिस बल तैनात रहा। प्रशासन का कहना है कि रेलवे लाइन के पास अवैध बस्तियां न केवल दुर्घटनाओं का कारण बन सकती हैं, बल्कि सुरक्षा के लिहाज से भी गंभीर खतरा हैं। इसी को देखते हुए अतिक्रमण हटाने का अभियान आगे भी जारी रहेगा।

तनीषा का बैडमिंटन के प्रति जुनून ही उसे औरों से बनाता है अलग : देवेन्द्र कौशल

एक्सीलिया बैडमिंटन एकेडमी में अंतरराष्ट्रीय शटलर तनीषा ने प्रशिक्षुओं से साझा किए अनुभव

संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ की तनीषा सिंह भारतीय बैडमिंटन का अब जाना–पहचाना नाम बन चुका है। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में वह यूपी और भारत का परचम लगातार फहरा रही हैं। साल 2025 की अंतिम निशा जब अलविदा कह रही थी तब तनीषा लंबे समय तक अपने कोच रहे श्री देवेन्द्र कौशल से आशीर्वाद लेने और शुक्रिया कहने परिवार समेत एक्सीलिया बैडमिंटन एकेडमी में आयीं। इन दौरान तनीषा ने प्रशिक्षुओं से बात की, अपने संघर्ष और शुरूआती दिनों को याद किया और एकेडमी के बच्चों की बैडमिंटन से जुड़ी अनेक चुनौतियों और जिज्ञासाओं को साझा किया। श्री देवेन्द्र कौशल ने तनीषा की सफलता को उसके जज्बे और जुनून का परिणाम बताया। भारतीय बैडमिंटन जूनियर टीम के कोच रहे श्री देवेन्द्र कौशल स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (साई) से सेवानिवृत्त होने के पश्चात अब एक्सीलिया बैडमिंटन एकेडमी में प्रशिक्षुओं के हुनर को निखार रहे हैं। श्री देवेन्द्र कौशल ने कहा कि अनुशासन, लगन, बैडमिंटन की प्रति पूरी गंभीरता और न हार मानने का जज्बा ही तनीषा को औरों से अलग करता है, जब अन्य खिलाड़ी कुछ समय पश्चात प्रशिक्षण में लापरवाही बरतने लगते थे, वहीं तनीषा पूरी शिद्दत से उनके निर्देशों का पालन करती थी। इसमें चाहे केडी सिंह बाबू स्टेडियम के मैदान के 20 चक्कर लगाने हों या प्रशिक्षण व उससे जुड़े अन्य निर्देश। तनीषा ने मन लगाकर सीखा, जिसका फल यह है कि उसको अपने बीच पाकर और अन्य लोगो से उसको मिलवाकर मेरा सीना गर्व से फूल गया है। देवेन्द्र जी ने इस दौरान तनीषा के माता–पिता श्रीमती पूनम सिंह और श्री योगेश सिंह और विशेष रूप से जिक्र किया, जिन्होंने तनीषा के खेल को आगे बढ़ाने के लिए हरसंभव समझौते किए, बस्ती से लखनऊ आए और यही नहीं उसके जुनून को आगे बढ़ाने के लिए अपनी नौकरी तक की तिलांजलि दे दी। तनीषा ने भी कहा कि वह आज जो कुछ भी हैं वह उनके माता–पिता के त्याग और सहयोग की वजह से हैं। एक्सीलिया स्कूल और बैडमिंटन एकेडमी के निदेशक श्री आशीष पाठक ने कहा कि माता–पिता की मेहनत तभी साकार होती है जब तनीषा जैसी खिलाड़ी अपने सपने को साकार करने के लिए अपना सर्वस्य झोंकते हैं। इस दौरान एकेडमी के प्रशिक्षुओं ने खेल और पढ़ाई के साथ सामंजस्य, स्कूल जाने, प्रशिक्षण के तौर तरीके संबंधित अनेक रोचक प्रश्न पूछे, जिसके उत्तर तनीषा ने दिल खोलकर दिए।

मायावती का सरकार पर तीखा हमला, इंदौर में प्रदूषित पानी पीने से हुई मौतों को बताया सरकारी गैर-जिम्मेदारी का नतीजा

संवाददाता

लखनऊ। मध्य प्रदेश के इंदौर में प्रदूषित पानी पीने से हुई मौतों और कई अन्य लोगों के गंभीर रूप से बीमार होने की खबर ने देशभर में आक्रोश पैदा कर दिया है। इस दर्दनाक घटना पर बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने शुक्रवार को प्रतिक्रिया दी। उन्होंने इसे अत्यंत दुखद, चौंकाने वाला और सरकारी गैर–जिम्मेदारी का नतीजा बताया है। मायावती ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने एक पोस्ट में कहा, मध्य प्रदेश राज्य के इन्दौर शहर में प्रदूषित पानी पीने से अनेक निर्दोष नागरिकों की मौत तथा अन्य अनेक लोगों के बीमार हो जाने की अति–दुखद एवं चौंकाने वाली खबर काफी चर्चा में है तथा ऐसी सरकारी गैर–जिम्मेदारी व उदासीनता को लेकर लोगों में

स्थानीय स्तर पर ही नहीं बल्कि पूरे देश भर में व्यापक आक्रोश भी स्वाभाविक है।उन्होंने कहा, वैसे तो लोगों को खासकर साफ हवा और पानी आदि मुहैया कराना हर सरकार की पहली जिम्मेदारी होती है, किन्तु यहां अपराध नियंत्रण व कानून व्यवस्था की तरह ही बुनियादी जनसुविधा के सम्बंध में भी सरकारी लापरवाही व भ्रष्टाचार आदि काफी घातक साबित हो रहा है तथा परिवार उजड़ रहे हैं, यह अति–दुखद व अति–चिंतनीय है।

इस प्रकार की नागरिकों के जान से खिलवाड़ करने की शर्मनाक घटना की रोकथाम के लिये राज्य सरकार को सख्त से सख्त कदम उठाते रहने की जरूरत है।मायावती ने आगे कहा कि केंद्र की सरकार को भी इसका उचित संज्ञान लेकर प्रभावी कार्रवाई जरूर करनी चाहिए, ताकि देश के किसी अन्य राज्य में ऐसी दर्दनाक घटनाएं ना होने पाएं। बता दें कि इंदौर के भागीरथपुरा इलाके में दूषित पानी पीने से 7 लोगों की मौत और 40 से अधिक लोगों के बीमार पड़ने का मामला सामने आया। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने इस घटना को मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन मानते हुए मध्य प्रदेश के मुख्य सचिव को नोटिस जारी किया है और दो सप्ताह के अंदर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। इस घटना में हुई मौतों की संख्या को लेकर अलग–अलग दावे हैं। सरकारी आंकड़ों में 4–7 मौतें बताई जा रही हैं, जबकि स्थानीय निवासी और कुछ रिपोर्ट्स में 10–13 तक का दावा किया गया है, जिसमें एक 6 महीने का मासूम बच्चा भी शामिल है। 100 से अधिक लोग विभिन्न अस्पतालों में भर्ती हैं, जहां डायरिया, उल्टी और अन्य जलजनित बीमारियों के लक्षण पाए गए हैं।

भारत के विकास का ग्रोथ इंजन बना छत्तीसगढ़ : गजेंद्र सिंह शेखावत

देश के पर्यटन मानचित्र पर सबसे तेजी से उभरता छत्तीसगढ़ : शेखावत

भोरमदेव कॉरिडोर विकास परियोजना का केन्द्रीय पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत एवं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने किया भूमिपूजन

स्वदेश दर्शन योजना 2.0 के तहत 146 करोड़ रूपए की लागत से भोरमदेव कॉरिडोर होगा निर्माण

कॉरिडोर निर्माण से भोरमदेव बनेगा पर्यटन का केंद्र

बोड़ला से भोरमदेव तक सड़क उन्नयन हेतु मुख्यमंत्री ने की घोषणा

बीएनई

रायपुर। केन्द्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि भारत के विकास का ग्रोथ इंजन छत्तीसगढ़ बनता जा रहा है छत्तीसगढ़ इस संकल्प के साथ में हम सब लोग काम करेंगे ऐसा भरोसा और विश्वास आप सबको दिलाते हुए आप सबको बहुत सारी बधाई देता हूं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सतत आगे बढ़े और छत्तीसगढ़ का पर्यटन विकसित हो छत्तीसगढ़ की संस्कृति सुरक्षित और संरक्षित हो जिससे छत्तीसगढ़ की एक अलग पहचान बने। स्वदेश दर्शन योजना 2.0 के अंतर्गत 146 करोड़ रुपये की लागत से भोरमदेव कॉरिडोर निर्माण कार्य का विधिवत भूमिपूजन सम्पन्न किया गया। स्वदेश दर्शन योजना 2.0 के तहत भोरमदेव मंदिर परिसर से मड़वा महल, छेरकी महल, रामचुआ एवं सरोदा जलाशय तक एक सुव्यवस्थित एवं समग्र पर्यटन कॉरिडोर विकसित किया जाएगा। इस कॉरिडोर के निर्माण होने से जिले के प्रमुख धार्मिक एवं पुरातात्विक स्थलों को एक सशक्त पर्यटन श्रृंखला में जोड़ते हुए भोरमदेव को राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन पटल पर विशिष्ट पहचान दिलाने में मील का पत्थर साबित होगी। उज्जैन और वाराणसी की तर्ज पर भोरमदेव कॉरिडोर का विकास किया जाएगा। छत्तीसगढ़ के ऐतिहासिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्थलों को वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर स्थापित करने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल करते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, उपमुख्यमंत्री व कवर्धा विधायक विजय शर्मा ने नववर्ष के अवसर पर कबीरधाम जिले को बड़ी सौगात दी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने उपमुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा के आग्रह पर भोरमदेव से बोड़ला तक सड़क चौड़ीकरण एवं नवीनीकरण कार्य की भी घोषणा की। केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने भोरमदेव महोत्सव स्थल पर कॉरिडोर के भूमिपूजन के बाद कल सभा को संबोधित करते हुए कबीरधाम जिले सहित पूरे प्रदेश के लिए आज का दिन ऐतिहासिक है। उन्होंने नववर्ष की बधाई देते हुए कहा कि बीते दो वर्षों में छत्तीसगढ़ सरकार ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्पों को धरातल पर उतारते हुए विकसित छत्तीसगढ़ की परिकल्पना को साकार करने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद प्रदेश के विकास में सबसे बड़ी बाधा थी, जिसे समाप्त करने का बीड़ा राज्य सरकार ने उठाया है और आज प्रदेश नक्सलवाद की समाप्ति की दिशा में निर्णायक रूप से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि इससे न केवल छत्तीसगढ़ बल्कि पूरे देश के नागरिकों में यह विश्वास मजबूत हुआ है कि भारत को कमजोर करने वाली किसी भी ताकत या षड्यंत्र को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में आतंकवाद के विरुद्ध लिए गए कठोर निर्णयों ने देश की सुरक्षा नीति को नई मजबूती प्रदान की है। केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि भारत तेजी से विकसित राष्ट्र की ओर अग्रसर है। सड़कों, पुल–पुलियों एवं अन्य बुनियादी ढांचे के निर्माण के साथ–साथ प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, पेयजल, बिजली, डीबीटी के माध्यम से राशि का अंतरण और रोजगार जैसी सुविधाएं गरीबों के घर–घर तक पहुंच रही हैं। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना में सकारात्मक बदलाव करते हुए अब 100 दिनों के स्थान पर 125 दिनों का रोजगार प्रदान किया जा रहा है। साथ ही रोजगार उपलब्ध नहीं होने की स्थिति में हर्जाने की गारंटी भी इस योजना में शामिल की गई है। उन्होंने इसे 'मोदी की गारंटी' बताते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त किया। केंद्रीय पर्यटन मंत्री ने कहा कि भोरमदेव मंदिर लगभग एक हजार वर्ष पुरानी ऐतिहासिक धरोहर है और इस कॉरिडोर निर्माण के माध्यम से आने वाले हजार वर्षों तक इसे संरक्षित रखने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने निर्माण एजेंसियों एवं अधिकारियों से आग्रह किया कि 146 करोड़ रुपये की इस परियोजना में गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता न किया जाए, क्योंकि यह कार्य धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक विरासत से जुड़ा हुआ है। कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री अरुण साव, पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल सहित जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ अधिकारी एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं नागरिक उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि एक हजार साल पुराने बाबा भोरमदेव के मंदिर विकास हेतु आज भूमिपूजन हुआ है जो बहुत ही हर्ष की बात है। सावन के महीने में यहां हजारों की संख्या श्रद्धालु कावड़िये अमरकंटक से माता नर्मदा का जल लेकर बाबा भोरमदेव का जलाभिषेक करते हैं जिनका स्वागत करने के लिए उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा के साथ मैं भी आया था। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में शासन ने हर वर्ग के विकास के लिए निरन्तर कार्य किया जा रहा है। कवर्धा के जंगलों में वास करने वाले राष्ट्रपति के दत्तक पुत्र कहलाने वाले विशेष पिछड़ी जनजाति के बैगा जैसे प्रदेश की पिछड़ी जनजातियों के लिए शासन द्वारा पीएम जनमन योजना प्रारम्भ की गई है, जिससे अब गांव–गांव तक पक्की सड़कें, प्रधानमंत्री आवास योजना जैसे अनेक योजनाओं का लाभ यहां के लोगों को मिल रहा है। वहीं उनके स्वास्थ्य की देखभाल के लिए आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित 57 मोबाइल मेडिकल यूनिट प्रारम्भ किए गए हैं, जिनमें एंबुलेंस के साथ में डॉक्टर एवं नर्स सहित पूरा तकनीकी स्टाफ भी उपलब्ध रहेगा जो घर घर जाकर लोगों का उपचार करेगा। उन्होंने आगे कहा कि छत्तीसगढ़ की जनता से प्रधानमंत्री मोदी ने वादे किए थे जिन्हें पूरा करने का कार्य शासन द्वारा किया जा रहा है। मोदी की गारंटी को काम पूरा होने की गारंटी बताते हुए उन्होंने कहा हमारी सरकार बनते ही 18 लाख आवास से वंचित लोगों को आवास का अधिकार दिलाया, 70 लाख महिलाओं के खाते में हर महीने एक हजार रुपए पहुंच रहे है इसी तरह छत्तीसगढ़ के हजारों लोगों में मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना का भी लाभ लिया है। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा लगातार क्षेत्र का दौरा कर यहां के विकास के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। चौत्र माह के तेरहवीं तिथि को भोरमदेव महोत्सव का आयोजन किया जाता है। पिछले वर्ष जब स्वदेश दर्शन योजना में शामिल करने के लिए हमने केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत से निवेदन किया था और भोरमदेव महोत्सव के दिन ही हमें भोरमदेव कॉरिडोर की स्वीकृति प्राप्त हुई थी और आज भूमिपूजन भी सम्पन्न हो गया है। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में भोरमदेव की तरह ही आस्था का केंद्र माने जाने वाले पंचमुखी बुढ़ा महादेव मंदिर का भी अब विकास किया जा रहा है, जिसके लिए विगत दिनों जब आयोजन किया गया तो लोगों ने अपनी पूरी भक्ति भाव से मंदिर के विकास के लिए दिल खोलकर दान किया और एक ही दिन में 75 लाख रुपए कार्यक्रम समाप्ति के पूर्व ही संग्रहित हो गए थे। कार्यक्रम को उपमुख्यमंत्री अरूण साव और पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में केन्द्रीय आवासन और शहरी कार्य राज्यमंत्री तोखन साहू, सांसद संतोष पाण्डेय, पंडरिया विधायक भावना बोहरा, पर्यटन मंडल के अध्यक्ष नीलू शर्मा, गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष विशेषर पटेल, राज्य कृषक कल्याण परिषद् के अध्यक्ष सुरेश चंद्रवंशी, पूर्व विधायक डॉ. सियाराम साहू, मोतीराम चंद्रवंशी, अशोक साहू, जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू, राजेन्द्र चंद्रवंशी, जिला पंचायात उपाध्यक्ष कैलाश चंद्रवंशी, बोड़ला जनपद अध्यक्ष बालका रामकिंकर वर्मा, उपाध्यक्ष नंद श्रीवास, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष रामकुमार भट्ट, संतोष पटेल, जिला पंचायत सदस्य गंगाबाई लोकचंद साहू, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष रघुराज सिंह, विदेशी राम धुर्वे, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष अनिल ठाकुर, नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी, मीलूराम साहू, बोड़ला नगर पंचायत अध्यक्ष विजय पाटिल सहित जनप्रतिनिधिगण और क्षेत्रवासी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

गिध्द संरक्षण में छत्तीसगढ़ की नई उड़ान

इंद्रावती टाइगर रिजर्व बना देश का मॉडल

बीएनई

रायपुर। छत्तीसगढ़ के इंद्रावती टाइगर रिजर्व ने गिद्ध संरक्षण के क्षेत्र में देशभर के लिए एक नया उदाहरण प्रस्तुत किया है। मध्य भारत के सबसे स्वच्छ नदी–वन पारिस्थितिकी तंत्रों में शामिल यह रिजर्व अब केवल बाघों और जंगली भैंसों का ही नहीं, बल्कि विलुप्तप्राय गिद्धों के संरक्षण का भी एक महत्वपूर्ण केंद्र बन गया है। गिद्ध पर्यावरण के सफाईकर्मी हैं और इनके बिना बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व और वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप के निर्देशानुसार इंद्रावती के टाइगर रिजर्व क्षेत्र में गिद्धों सुरक्षित क्षेत्रों (टनसजनतमें ींिि वदमे) का निर्माण कर इनकी घटती आबादी को बचाना और बढ़ाना है, क्योंकि गिद्ध पर्यावरण के श्सफाईकर्मीश हैं और इनके बिना बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है स गिद्धों के अस्तित्व पर जहरीली दवाओं (NSAID), असुरक्षित शव निपटान और मानव हस्तक्षेप जैसे गंभीर खतरे मंडरा रहे हैं। इन चुनौतियों से निपटने के लिए इंद्रावती टाइगर रिजर्व में उपग्रह (सैटेलाइट) टेलीमेट्री आधारित निगरानी कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। गिद्ध लगभग 10,000 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में रहते हैं सक्रिय छत्तीसगढ़ में यह अपनी तरह का पहला प्रयास है, जिसमें उच्च–रिज़ॉल्यूशन गिद्ध गतिविधि डेटा का उपयोग संरक्षण कार्यों की दिशा तय करने के लिए किया जा रहा है। अब तक के आंकड़ों से पता चला है कि गिद्ध लगभग 10,000 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में सक्रिय रहते हैं और घने जंगलों व मानव बस्तियों के बीच लगातार आवाजाही करते हैं। वन्यजीव प्रबंधन को मिली नई वैज्ञानिक दिशा गौरतलब है कि वर्ष 2022 से 2025 के बीच गिद्ध संरक्षण के क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की गई हैं। राज्य में पहली बार दो गिद्धों की सैटेलाइट ट्रैकिंग के माध्यम से 18,000 से अधिक उच्च गुणवत्ता वाले ळच्ै डेटा पॉइंट्स प्राप्त किए गए हैं, जिससे वन्यजीव प्रबंधन को नई वैज्ञानिक दिशा मिली है। इस सफलता में क्षेत्रीय जीवविज्ञानी सूरज कुमार के नेतृत्व में "गिद्ध मित्र दल" (गिद्ध संरक्षण स्वयंसेवक दल) की अहम भूमिका रही है। यह दल घोंसलों की निगरानी, शवों के सुरक्षित प्रबंधन और स्थानीय समुदायों को संरक्षण से जोड़ने का कार्य कर रहा है। इसी सामुदायिक सहयोग का परिणाम है कि "गुड्डा सारी गुट्टा" जैसे दुर्गम क्षेत्रों में पहली बार निर्बाध प्रजनन सुनिश्चित हो सका है। "वुल्चर रेस्टोरेंट" की स्थापना संरक्षण प्रयासों के तहत उप–निदेशक संदीप बलागा के पर्यवेक्षण में "वुल्चर रेस्टोरेंट" की स्थापना भी की गई है। यह नियंत्रित भोजन स्थल हैं, जहां केवल पशु चिकित्सा परीक्षण के बाद NSAID–मुक्त शव ही रखे जाते हैं। इससे गिद्धों को सुरक्षित भोजन मिल रहा है। साथ ही ये केंद्र सामुदायिक शिक्षा के केंद्र के रूप में भी कार्य कर रहे हैं, जहां स्कूलों और स्थानीय युवाओं को पारिस्थितिकी तंत्र में गिद्धों के महत्व के बारे में जानकारी दी जा रही है। "गिद्ध सुरक्षित क्षेत्र" (Vulture Safe Zone) की स्थापना भविष्य की रणनीति के तहत कार्यक्रम के तीसरे चरण का नेतृत्व भी उप–निदेशक संदीप बलागा करेंगे। इस चरण में तीन अतिरिक्त गिद्धों की सैटेलाइट टैगिंग, 50 से अधिक जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन, पंचायतों की भागीदारी से 100 किलोमीटर क्षेत्र में "गिद्ध सुरक्षित क्षेत्र" (Vulture Safe Zone) की स्थापना तथा छत्तीसगढ़ की पहली गिद्ध पुनर्वास कार्ययोजना के प्रकाशन का लक्ष्य रखा गया है स तकनीक, पारंपरिक ज्ञान और सामुदायिक सहभागिता को एक सूत्र में पिरोते हुए इंद्रावती टाइगर रिजर्व यह संदेश दे रहा है कि दूरदर्शी नेतृत्व में जंगल और लोग साथ–साथ आगे बढ़ सकते हैं।

मुख्यमंती ने सपरिवार ट्यूलिप के बल्ब रोपे

मुख्यमंत्री आवास परिसर के उद्यान में 17 प्रजातियों के चार हजार ट्यूलिप उगाने की मुहिम का किया शुभारंभ

उद्यान विभाग को ट्यूलिप के व्यवसायिक उत्पादन की कार्ययोजना बनाने के दिए निर्देश

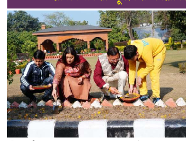

बीएनई

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्यमंत्री आवास परिसर के उद्यान में 17 प्रजातियों के ट्यूलिप उगाने की मुहिम का शुभारंभ करते हुए सपरिवार ट्यूलिप के बल्ब रोपे। मुख्यमंत्री आवास परिसर के उद्यान में इस बार ट्यूलिप के चार हजार बल्ब रोपे जा रहे हैं। जिनमें लेक पर्पल तथा बाईकलर प्रजाति के खास रंगत वाले ट्यूलिप भी शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने उद्यान विभाग को ट्यूलिप के व्यावसायिक उत्पादन की कार्ययोजना बनाने के निर्देश देते हुए पुष्प उत्पादन एवं बागवानी के क्षेत्र में नवाचार पर जोर दिया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने ट्यूलिप उत्पादन के बारे में उद्यान प्रभारी दीपक पुरोहित से विस्तार से जानकारी लेने के साथ ही परिसर में मशरूम उत्पादन, मौनपालन सहित बागवानी से जुड़े विभिन्न कार्यों की जानकारी भी ली।

नए साल में भारत बना सबसे आशावादी उपभोक्ता बाजार, 60% भारतीय अगले छह माह में बढ़ाएंगे अपना घरेलू खर्च

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत नए साल में सबसे आशावादी उपभोक्ता बाजार के रूप में उभर रहा है, जिसमें भारतीयों में घरेलू खर्च करने के इरादे में मजबूत बढ़ोतरी हुई है। खास बात है कि खर्च को लेकर आत्मविश्वास का स्तर कई प्रमुख देशों की तुलना में ज्यादा है। नुवामा की ताजा रिपोर्ट में कहा गया है कि करीब 60 फीसदी भारतीय उपभोक्ताओं को उम्मीद है कि वे अगले छह महीनों में अपना घरेलू खर्च बढ़ाएंगे। खर्च करने की यह इच्छा उपभोक्ताओं के बढ़ते आत्मविश्वास और बेहतर आर्थिक स्थितियों की उम्मीदों को स्पष्ट दिखाती है। रिपोर्ट के मुताबिक, व्यापक तौर पर देखें तो मजबूत आर्थिक वृद्धि, महंगाई में राहत, औद्योगिक गतिविधियों में तेजी और आय वृद्धि के दम पर भारतीय उपभोक्ता घरेलू खर्च को लेकर आशावद के मामले में प्रमुख देशों से काफी आगे हैं। इनमें शुद्ध आशावाद का स्तर 27 फीसदी है, जबकि वैश्विक औसत शून्य से नीचे 12 फीसदी है। इस मामले में चीन सबसे आगे है, जहां उपभोक्ता घरेलू खर्च बढ़ाने को लेकर आश्वस्त हैं। भारत इस मामले में दूसरे स्थान पर है। स्नैक्स और सॉफ्ट ड्रिंक्स पर कम खर्च की योजना वाहन, मोबाइल फोन और घर के किराये जैसी लंबी अवधि वाली एवं जरूरी कैटेगरी के लिए खर्च करने का इरादा ज्यादा मजबूत बना हुआ है। इसके उलट, पैक्ड स्नैक्स और सॉफ्ट ड्रिंक्स जैसी रोजाना इस्तेमाल होने वाली कैटेगरी के लिए इरादा तुलनात्मक रूप से कम है। यह रोजाना के खर्च के लिए ज्यादा सोच–समझकर और मूल्य आधारित अप्रोच दिखाता है। नई कारें खरीदने पर सर्वाधिक खर्च करेंगे लोग भारतीय उपभोक्ता जिन मोर्चों पर सर्वाधिक खर्च करना चाहते हैं, उनमें गाड़ियां सबसे आगे हैं। 70 फीसदी भारतीय उपभोक्ता नई कारें खरीदने के लिए सबसे ज्यादा खर्च करने की योजना बना रहे हैं। इसके बाद 63 फीसदी उपभोक्ता स्मार्टफोन और मोबाइल प्लान पर खर्च बढ़ाने की तैयारी में हैं। एक तिहाई भारतीय उपभोक्ता कुल मिलाकर ज्यादा खर्च करने की योजना बना रहे हैं, जिसमें गैर–जरूरी खरीदारी मुख्य वजह बनकर उभरी है। गैर–जरूरी खर्च करने के इरादे का यह स्तर सभी रिकॉर्ड किए गए बाजारों में सबसे ज्यादा है। अच्छे दिन आने की उम्मीद, पर मंदी की भी चिंता करीब 61 फीसदी भारतीय उपभोक्ताओं का मानना है कि आगे भी अच्छे दिन आएंगे। हालांकि, 34 फीसदी को बड़े पैमाने पर बेरोजगारी या मंदी आने की आशंका है। 17 फीसदी का कहना है कि कई देशों में तनाव और अन्य राजनीतिक घटनाओं से भारत की वृद्धि दर धीमी हो सकती है, जो चीन के बाद दूसरा सबसे कम स्तर है। इसके उलट, यूके, फ्रांस और जर्मनी के 60 फीसदी लोगों में वृद्धि दर घटने की आशंका है।

संक्षिप्त

सफायर-देवयानी विलय को मंजूरी, केएफसी और पिज्जा हट का कारोबार एक छत के नीचे

एजेंसी

नई दिल्ली। देश की बड़ी क्विक सर्विस रेस्टोरेंट (क्यूएसआर) कंपनियों में शामिल सफायर फूड्स इंडिया लिमिटेड और देवयानी इंटरनेशनल लिमिटेड का आपस में विलय होने जा रहा है। इस विलय के बाद भारत में केएफसी और पिज्जा हट के लिए एक ही, एकीकृत फ्रेंचाइजी बन जाएगी। बोर्ड की मंजूरी, शेयरों की अदला–बदली का फार्मूला देवयानी इंटरनेशनल और सफायर फूड्स, दोनों कंपनियों के बोर्ड ने इस विलय योजना को मंजूरी दे दी है। इसके तहत सफायर फूड्स का देवयानी इंटरनेशनल में विलय किया जाएगा। यह कदम दोनों कंपनियों के कारोबार को एक साथ जोड़ने और उन्हें और मजबूत बनाने के लिए उठाया गया है। विलय योजना के अनुसार, सफायर फूड्स के हर 100 शेयरों के बदले देवयानी इंटरनेशनल के 177 शेयर दिए जाएंगे। मंजूरी मिलने में लगेगा समय यह विलय अभी अंतिम नहीं है। इसके लिए स्टॉक एक्सचेंज, भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) शेयरधारकों और कर्जदाताओं से मंजूरी लेनी होगी। कंपनी का अनुमान है कि पूरी प्रक्रिया में 12 से 15 महीने लग सकते हैं। यम! ब्रांड्स की हरी झंडी अमेरिका की दिग्गज फूड कंपनी यम! ब्रांड्स (जो केएफसी, पिज्जा हट और टाको बेल की मालिक हैं) ने इस विलय को अपनी मंजूरी दे दी है। देवयानी बनेगी और बड़ी कंपनी विलय पूरा होने के बाद देवयानी इंटरनेशनल भारत की सबसे बड़ी क्यूएसआर कंपनियों में से एक बन जाएगी। इससे कंपनी को बड़े स्तर पर काम करने का फायदा, लागत में कमी, सप्लाई चेन मजबूत करने, मुनाफा बढ़ाने में मदद मिलेगी। कंपनी का कहना है कि विलय के दूसरे पूरे साल से हर साल करीब 210–225 करोड़ रुपये की बचत होने की उम्मीद है।

जिले के धार्मिक पर्यटन स्थलों के जीर्णोद्धार की समीक्षा

बृजेश चतुर्वेदी

कन्नौज। जनपद कन्नौज में धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों के विकास और सौन्दर्यीकरण के उद्देश्य से विभिन्न महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर कार्य कराया जा रहा है, जिससे श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों को बेहतर सुविधाएँ उपलब्ध हो सकें।जिलाधिकारी आशुतोष मोहन अग्निहोत्री ने कलेक्ट्रेट कार्यालय कक्ष में आयोजित समीक्षा बैठक के दौरान कहा है कि प्रदेश सरकार धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों को बढ़ावा देने के लिए कार्य कर रही है। जनपद के प्राचीन उधालक ऋषि आश्रम का विकास एवं सौन्दर्यीकरण कराया जा रहा है। इस परियोजना के अंतर्गत यात्री विश्राम गृह, शौचालय, इंटरलॉकिंग पाथ–वे, स्टोन बेंच, स्टोन डस्टबिन, साइनेज तथा सोलर लाइट की व्यवस्था कराया जाना प्रस्तावित है। बैठक में जिलाधिकारी ने आश्रम में इंटरलॉकिंग हेतु क्रिटिकल गैप धनराशि जारी करने का निर्णय लिया। जानकारी दी गई कि आश्रम में सौन्दर्यीकरण का कार्य लगभग पूर्ण होने की स्थिति में है। इसी कड़ी में विकास खण्ड छिबरामऊ में स्थित बजरंगबली मंदिर के कराए जा रहे विकास कार्य की गहनता से समीक्षा की गई। इसमें यात्री विश्राम गृह, शौचालय, इंटरलॉकिंग पथ, स्टोन बेंच, स्टोन डस्टबिन, साइनेज, स्वागत द्वार एवं सोलर लाइट की व्यवस्था शामिल है, जिसमें जानकारी दी गई कि यात्री शेड के स्लैब का कार्य पूर्ण हो चुका है तथा प्रवेश द्वार का निर्माण कार्य प्रगति पर है। विकास खण्ड उमर्दा के तिर्वा में स्थित माता अन्नपूर्णा देवी मंदिर में सौन्दर्यीकरण के कार्य में यात्री विश्राम गृह, स्टोन बेंच, स्टोन डस्टबिन एवं प्रकाश व्यवस्था का कार्य प्रस्तावित है। जानकारी दी गई कि वर्तमान में मंदिर परिसर में इंटरलॉकिंग एवं कोटा स्टोन का कार्य प्रगति पर है। विकास खण्ड कन्नौज में स्थित माँ फूलमती देवी मंदिर का सौन्दर्यीकरण एवं पर्यटन विकास कार्य की समीक्षा में जानकारी दी गई कि यात्री विश्राम गृह, बेंच, सोलर लाइट, चबूतरा एवं यज्ञशाला के सौन्दर्यीकरण का कार्य कराया जाना शामिल है। यात्री शेड के स्लैब का कार्य पूर्ण हो चुका है।

जिलाधिकारी ने कहा है कि इन सभी कार्यों का निर्माण कार्य निर्धारित समय सीमा में पूर्ण किया जाएं। निर्माण कार्यों की गुणवत्ता में किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। कहा है कि इन सभी कार्यों के पूर्ण होने से धार्मिक स्थलों की गरिमा में वृद्धि होगी तथा श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों को स्वच्छ, सुरक्षित एवं सुविधाजनक वातावरण प्राप्त होगा।

अस्पताल में भर्ती डेमियन मार्टिन की कैसी है हालत, क्या बोले एडम गिलक्रिस्ट? जानें

एजेंसी

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज डेमियन मार्टिन इस समय मेनिन्जाइटिस जैसी गंभीर बीमारी से जूझ रहे हैं। वह गोल्ड कोस्ट यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल में भर्ती हैं और फिलहाल उन्हें मेडिकल रूप से इंड्यूस्ड कोमा में रखा गया है। उनकी सेहत को लेकर क्रिकेट जगत में चिंता का माहौल है, लेकिन इस बीच पूर्व विकेटकीपर–बल्लेबाज एडम गिलक्रिस्ट ने राहत भरी जानकारी दी है। गिलक्रिस्ट ने दी पॉजिटिव अपडेट एडम गिलक्रिस्ट ने एक जनवरी को फॉक्स क्रिकेट से बात करते हुए बताया कि मार्टिन की हालत में कुछ सकारात्मक संकेत देखने को मिले हैं। उन्होंने कहा, शपिछले 24 घंटे में कई तरह की टेस्ट रिपोर्ट्स सामने आईं और उनसे सकारात्मक संकेत मिले हैं।श हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि मार्टिन अभी अस्पताल में ही हैं और आगे की जानकारी समय के साथ सामने आएगी। बॉक्सिंग डे पर बिगड़ी थी हालत डेमियन मार्टिन को 26 दिसंबर, बॉक्सिंग डे के दिन अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जब उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई। इसके बाद डॉक्टरों ने उन्हें गहन चिकित्सा में रखते हुए मेडिकल कोमा में डालने का फैसला किया। तब से उनकी स्थिति नाजुक बनी हुई है। दुनियाभर से मिल रही दुआएं मार्टिन की बीमारी की खबर सामने आते ही क्रिकेट जगत से समर्थन और दुआओं का सिलसिला शुरू हो गया। भारत के पूर्व बल्लेबाज वीवीएस लक्ष्मण और रविचंद्रन अश्विन ने भी उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **धर्मेन्द्र सिंह** द्वारा शौर्य प्रिंटर्स, शिवपुरी कालोनी, निकट बांसमण्डी चौराहा, लखनऊ से मुद्रित तथा एमआईजी-47, सेक्टर-ई, अलीगंज, लखनऊ (उ.प्र.) से प्रकाशित
सम्पादक-अंजू सिंह (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा) Email-lkojunction@gmail.com. RNI NO.-UPHIN/2015/64743